AMBIKAPUR GG PAPER 17 APRIL 2025_Layout 2 4/17/2025 3:53 AM Page 1

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 164 गुरूवार 17 अप्रैल 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

भूषण रामकृष्ण गवई होंगे अगले मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2025 (ए)। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई 14 मई को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, वर्तमान सी जे आई संजीव खन्ना ने बुधवार को केंद्रीय कानून मंत्रालय से सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश बीआर गवई को अगला सीजेआई नियुक्त करने की सिफारिश की थी। सीजेआई खन्ना 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

राम मंदिर को बम से उड़ाने की मिली धमकी

ईमेल आने के बाद अलर्ट हुआ प्रशासन

आयोध्या,16 अप्रैल 2025 (ए)। राम मंदिर को लेकर एक बार फिर गंभीर सुरक्षा चुनौती सामने आई है। सोमवार रात 14 अप्रैल को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एक धमकी भरा ई-मेल मिला, जिसमें लिखा था–बढ़ा लो मंदिर की सुरक्षा। यह मेल तमिलनाडु से भेजा गया बताया जा रहा है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन में हड़कंप मच गया है।ट्रस्ट के अकाउंट ऑफिसर महेश कुमार ने इस संदर्भ में मंगलवार को साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल सख्त कर दिया गया।

लंबे समय से फरार चल रहे सास और दामाद गिरफ्तार

अलीगढ़,16 अप्रैल 2025(ए)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में शादी से पहले सास को लेकर फरार हुए दामाद के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। काफी समय से लापता चल रहे दामाद राहुल और सास अनीता देवी आज, 16 अप्रैल को अचानक अलीगढ़ के दादों थाने पहुंच गए। जैसे ही पुलिस को उनकी मौजूदगी की जानकारी मिली, दोनों को हिरासत में ले लिया गया।

आवारा कुत्ते के प्लास से निकाले दांत, सामने आया वीडियो

भिंड,16 अप्रैल 2025(ए)। मध्य प्रदेश के भिंड में मानवता को शर्मसार करने वाली एक तस्वीर निकलकर सामने आई है। यहां कुछ लोगों ने एक आवारा कुत्ते को पहले खटिया से बांधा और फिर उसके मुंह में डंडा घुसेड दिया। इतना ही नहीं, लोगों ने कुत्ते के दांतों को प्लास से बुरी तरह खींच दिया। जिससे कुत्ते का मुंह लहूलुहान हो गया। बेदर्द लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया और इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि इस मामले में पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज कर ली है।

एयरपोर्ट पर व्हीलचेयर इस्तेमाल करने के नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2025 (ए)।भारत के प्रमुख हवाई अड्डों पर व्हीलचेयर की डिमांड में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी जा रही है। खासतौर पर अमेरिका और च जाने वाली फ्लाइट्स में हर तीसरा पैसेंजर व्हीलचेयर असिस्टेंस मांग रहा है। हालांकि, इस बढ़ती डिमांड के पीछे कुछ पैसेंजर्स की वास्तविक जरूरत है, तो कुछ इसे लंबी लाइनों से बचने और जल्दी बोर्डिंग के लिए गलत तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में सरकार इस दुरुपयोग को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देशों को संशोधित करने की तैयारी कर रही है, ताकि वास्तविक जरूरतमंद लोग फंसे न रहें।

वक्फ कानून पर सुप्रीमकोर्ट ने सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से पूछा...

क्या हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में मुस्लिमों को जगह देंगे

» सीजेआई बोले...मामला कोर्ट में है, यहीं होगा फैसला

» वक्फ कानून के विरोध में हो रही हिंसा पर जताई चिंता...

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2025 (ए)। केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच में दो घंटे सुनवाई हुई। इस कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं लगाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन पर केंद्र से जवाब मांगा है, लेकिन कोर्ट ने कानून के लागू होने पर रोक नहीं लगाई है।

सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ कानून के तहत बोर्ड में अब हिंदुओं को भी शामिल किया जाएगा। यह अधिकारों का हनन है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। हिंदुओं के दान कानून के मुताबिक, कोई भी बाहरी बोर्ड का हिस्सा नहीं हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के विरोध में देशभर में हो रही हिंसा पर चिंता जताई। इस पर स्त ने कहा कि ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव डालने के लिए किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि हम इस पर फैसला करेंगे।

हमारा अंतरिम आदेश इक्विटी को संतुलित करेगा

सीजेआई ने कहा, हम अंतर्रिम आदेश जारी करने जा रहे हैं। हमारा अंतरिम आदेश इक्विटी को संतुलित करेगा। हम कहेंगे कि जो भी संपत्तियां कोर्ट ने वक्फ घोषित की हैं, उन्हें गैर-वक्फ नहीं माना जाएगा, चाहे वह उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ हो या नहीं। कलेक्टर कार्यवाही जारी रख सकते हैं.. लेकिन प्रावधान प्रभावी नहीं होगा। बोर्ड और परिषद के संबंध में पदेन सदस्य नियुक्त किए जा सकते हैं, लेकिन अन्य सदस्य मुस्लिम होने चाहिए।

कपिल सिब्बल ने दी ये दलील

वक्फ कानून को रद्द करने के पक्ष में दलील देते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि इस्लाम में उत्तराधिकारी मृत्यु के बाद मिलता है। कपिल सिब्बल ने नए कानून के उस बदलाव पर आपत्ति जताई है, जिसमें कहा गया कि वक्फ को संपत्ति दान करने के लिए जरूरी है कि वह व्यक्ति कम से कम 5 साल से इस्लाम धर्म का पालन कर रहा हो। कपिल सिब्बल ने सवाल उठाया कि राज्य सरकार में कोई ये बताने वाला कौन होता है कि इस्लाम धर्म में विरासत किसके पास जाएगी। सरकार कैसे तय करेगी मैं मुस्लिम हूं या नहीं।नए वक्फ कानून का हवाला देते हुए सिब्बल ने कहा कि धारा 9 पर नजर डालिए। इसमें कुल 22 सदस्य है जिसमें 10 मुसलमान होंगे। इस पर सीजेआई ने कहा कि दूसरे प्रावधान को देखिए। क्या इसका मतलब यह है कि पूर्व अधिकारी को छोड़कर केवल दो सदस्य ही मुस्लिम होंगे।

दलील को आगे बढ़ाते हुए सिब्बल ने कहा कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल 1995 के तहत, सभी नामांकित व्यक्ति मुस्लिम थे। मेरे पास चार्ट है। लेकिन नए कानून के प्रावधान तो सीधा उल्लंघन है।

सीजेआई ने कहा कि जामा मस्जिद सहित सभी प्राचीन स्मारक संरक्षित रहेंगे। इस पर सिब्बल ने दलील दी कि मेरे पास एक चार्ट है जिसमें सभी मुसलमानों को अनुसूचित जनजाति माना गया है। तो सीजेआई ने पूछा कि क्या ऐसा कोई कानून नहीं है जिसमें प्रावधान हो कि अनुसूचित जनजातियों की संपत्ति बिना अनुमति के हस्तांतरित नहीं की जा सकती?सीजेआई ने कहा कि ऐसे कितने मामले होंगे? अगर इसे प्राचीन स्मारक घोषित किए जाने से पहले वक्फ घोषित किया जाता है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह वक्फ ही रहेगा, आपको इस पर आपत्ति नहीं करनी चाहिए। जब तक कि इसे संरक्षित घोषित किए जाने के बाद वक्फ घोषित नहीं किया जा सकता।

संशोधन के समर्थन में भी कई याचिकाएं

संशोधन के विरोध में दायर याचिकाओं में वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की कई धाराओं को संविधान विरोधी बताते हुए उन्हें रद्द करने की मांग की गई है। वहीं वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के समर्थन में कई राज्यों ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। छत्तीसगढ़, असम, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान ने अर्जी दाखिल कर मामले में पक्षकार बनने की अनुमति मांगी है। इन राज्यों ने वक्फ कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की इस दलील का विरोध किया है कि वक्फ संशोधन अधिनियम संविधान का उल्लंघन करता है।

मामला कोर्ट में है,और फैसला...

उधर केंद्र सरकार को भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट संसद से पारित इस कानून को गिराएगा नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा मामला कोर्ट में है, और फैसला यहीं होगा।सुप्रीम कोर्ट में असदुद्दीन ओवैसी,कपिल सिब्बल, अभिषेक मनुसिंघवी,सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, सहित अन्य याचिकाकर्ता के वकील कोर्ट में मौजूद रहे।

आज भी हिंसा मामले पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले में गुरुवार 2 बजे सुनवाई करेगा। सुनवाई में अपीलकर्ताओं ने वक्फ बोर्ड बनाने, पुरानी वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन, बोर्ड मेंबर्स में गैर-मुस्लिम और विवादों के निपटारों को लेकर मुख्य दलीलें दीं। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल (स्त) तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं।'

मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में ममता बनर्जी ने बीजेपी पर साधा निशाना

कहा- हम हिंदू और मुसलमानों का बंटवारा नहीं होने देंगे

कोलकाता,16 अप्रैल 2025 (ए)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार (16 अप्रैल) को मुस्लिम धर्मगुरुओं और इमामों से मुलाकात की। ममता ने कोलकाता के नेताजी इनडोर स्टेडियम में वक्फ कानून को लेकर इमामों को संबोधित किया। ममता ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। सीएम ने कहा-हम हिंदू और मुसलमानों का बंटवारा नहीं होने देंगे। बीजेपी ने बाहरी लोगों को बुलाकर हिंसा कराई है। बंगाल में बीजेपी आई तो आपका खाना-पीना बंद कर देगी।

बंगाल को बदनाम किया जा रहा

ममता ने आगे कहा कि यूपी और बिहार के वीडियो दिखाकर बंगाल को बदनाम किया जा रहा है। फेक न्यूज फैलाई जा रही है। बीजेपी झूठे वीडियो दिखाकर बदनाम कर रही है। मुर्शिदाबाद की हिंसा सुनियोजित साजिश थी। घुसपैठियों को क्यों आने दिया गया? मैं इंडिया गठबंधन से एकजुट होने की अपील करती हूं कि इसके खिलाफ एकजुट हो जाएं। इसका असर सब पर होगा।

बनर्जी ने कहा कि मोदी जी अमित शाह को कंट्रोल करें

बनर्जी ने कहा कि मैं मोदी से रिक्वेस्ट करती हूं कि वो अमित शाह को कंट्रोल करें। अमित शाह हमारे खिलाफ एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं. क्या होगा जब मोदी प्रधानमंत्री नहीं होंगे? ममता ने कहा कि बीएसएफ ने क्यों हिंसा नहीं रोकी? बीएसएफ बंगाल के साथ सटी बांग्लादेश की 2200 किमी सीमा की सुरक्षा में तैनात है। बांग्लादेश से बंगाल में उपद्रवियों के घुसने के लिए बीएसएफ जिम्मेदार है।

हम सर्व धर्म समभाव में विश्वास करते

ममजा बनर्जी ने कहा कि हम सर्व धर्म समभाव में विश्वास करते हैं। मैं रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद में विश्वास करती हूं। मैं अनुरोध करती हूं कि भाजपा की बात पर उत्तेजित होकर बंगाल में कोई अशांति पैदा करना चाहता है तो उसे नियंत्रित करें। जब हम दुर्गा पूजा मनाते हैं,तो वे कहते हैं कि हम मनाने नहीं देते। घर-घर में सरस्वती पूजा मनाई जाती है, और वे कहते हैं कि हम ऐसा नहीं करने देते हैं। सबको सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए, यही परंपरा है। बनर्जी ने कहा कि हम हिंदू और मुसलमानों का बंटवारा नहीं होने देंगे। वक्फ पर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू चुप बैठे हैं। इन लोगों को सिर्फ सत्ता की परवाह है। हम जब तक रहेंगे हिंदू और मुसलमान नहीं होने देंगे। बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में ध्रुवीकरण करना चाहती है ताकि हमारी सरकार चली जाए और उनकी सरकार आए, जब वे आएंगे तो आपका खाना भी बंद कर देंगे। दिल्ली में देखिए कैसे उन्होंने बंगाली इलाकों में मछली और मांस बंद कर दिया है। उन्होंने शिक्षकों की नौकरियां खाई और अब वे कह रहे हैं कि ममता बनर्जी जवाब दें।

लगातार दूसरे दिन ईडी ऑफिस में पेश हुए रॉबर्ट वाड्रा

वेटिंग रूम में बैठी रहीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2025 (ए)। हरियाणा के शिकोपुर लैंड डील मामले में ईडी से पूछताछ के लिए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा बुधवार को एक बार फिर दफ्तर पहुंचे। प्रियंका गांधी उनके साथ थीं, और उन्होंने वाड्रा को ईडी ऑफिस में जाने से पहले गले लगाया। इस दौरान प्रियंका गांधी ईडी कार्यालय के वेटिंग रूम में बैठी रही, जबकि रॉबर्ट वाड्रा अधिकारियों के सामने पेश हो रहे थे। इससे पहले, उन्होंने फेसबुक पर भी अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा था कि उनका किसी भी तरह के दबाव के सामने झुकने का कोई इरादा नहीं है। ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली में पार्टी के मुख्यालय पर भी कांग्रेस नेता विरोध करने पहुंचे। बता दें कि कांग्रेस कार्यकर्ता ने श्वष्ठ के दफ्तर के बाहर भी नेशनल हेराल्ड केश को लेकर जमकर प्रदर्शन किया है।

पादरी प्रवीन पगडाला की रहस्यमयी मृत्यु पर डॉ. के.ए.पॉल ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में याचिका दायर की

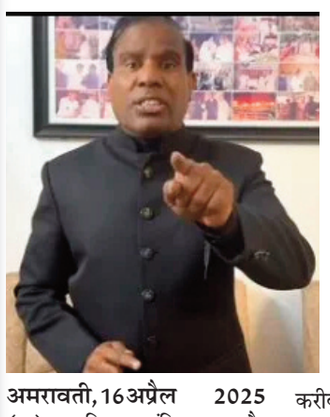

अमरावती,16 अप्रैल 2025 (ए)। प्रसिद्ध शांति दूत और मानवतावादी डॉ. के.ए. पॉल ने आज आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पेश होकर पादरी प्रवीन पगडाला की रहस्यमयी और दुखद मृत्यु की जांच में गंभीर खामियों को उजागर किया। उन्होंने जनहित याचिका के माध्यम से अदालत में इस घटना को दुर्घटना नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या बताया और कहा कि अब तक की जांच कई सवालों के घेरे में है।डॉ. पॉल ने न्यायालय में 22 अहम बिंदु प्रस्तुत किए जो इस घटना को एक सोची-समझी साजिश बताते हैं। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है, एफआईआर दर्ज करने में देरी हुई और पीडित परिवार और उनके करीबी दोस्तों को लगातार डराया जा रहा है। इन सबके बीच संवैधानिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन हुआ है और मामले को दबाने की कोशिशें की जा रही हैं। अदालत ने राज्य सरकार, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अन्य संबंधित पक्षों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

बेंगलुरु के सुधार गृह में मरीज को बुरी तरीके से पीटा

वार्डन के कपड़े धोने से किया था मना

बेंगलुरु,16अप्रैल 2025 (ए)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के बाहरी इलाके नेलमंगला से एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है, यहां एक प्राइवेट रिहैबिलिटेशन सेंटर में भर्ती एक व्यक्ति को बेहरमी से पीटा गया। बता दें कि मरीज की गलती बस इतनी है कि उसने वार्डन के कपड़े धोने से मना कर दिया था। अब पुलिस ने इस घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने भी प्रारंभिक जांच में ये बात सामने आई है कि मरीज ने वार्डन के कपड़े धोने और शौचालय साफ करने से इनकार किया था।

दो हिस्सों में टूट रही भारत की धरती

विनाशकारी भूकंप की दहलीज पर है खड़ा

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2025 (ए)। दुनिया में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं को लेकर वैज्ञानिकों की ओर से चेतावनी दी जाती है। इस बार उन्होंने भारत के भूगर्भीय भविष्य को लेकर एक बेहद चिंताजनक अलर्ट जारी किया है। भूवैज्ञानिकों ने संकेत दिया है कि भारतीय प्लेट अब दो हिस्सों में बंटने की प्रक्रिया से गुजर रही है और यह घटनाक्रम देश में आने वाले समय में भूकंपों की संभावना को बढ़ा सकता है। अमेरिका के जियोफिजिकल यूनियन में प्रकाशित एक शोध में इस स्थिति को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई है, जिसमें यह बताया गया है कि भारतीय प्लेट अब एक नई भूगर्भीय प्रक्रिया से गुजर रही है, जिसे डेलिमिनेशन कहा जाता है।

क्या है डेलिमिनेशन प्रक्रिया?

डेलिमिनेशन एक भूगर्भीय प्रक्रिया है, जिसमें टेक्टोनिक प्लेट का निचला हिस्सा पृथ्वी के मेंटल में समा जाता है। इस दौरान प्लेट के अंदर लंबवत दरारें उत्पन्न होती हैं, जिससे उसकी स्थिरता प्रभावित हो सकती है। यह प्रक्रिया प्लेटों की संरचना को बदल सकती है और उस इलाके में भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को बढ़ा सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि भारतीय प्लेट, जो पिछले 60 मिलियन वर्षों से यूरेशियन प्लेट से टकरा रही थी,अब एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

लेख एवं विचार अभिव्यक्ति

अम्बिकापुर,गुरूवार 17 अप्रैल 2025

संपादकीय

घिबली का ट्रेंड

घिबली ऐप से अपनी तस्वीरों को नया कलेवर देने के लिए लोग पागल हुए जा रहे हैं,बिना यह जाने-समझे कि इसका इस्तेमाल किस कदर खतरनाक है। आजकल आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद से अपनी तस्वीरों को स्टूडियो घिबली स्टाइल में बदलने का चलन आम जन को इस कदर अपनी आगोश में लिये हुए है कि इससे होने वाले नुकसान की चिंता किसी को रत्ती भर भी नहीं है। स्वाभाविक रूप से यह गोपनीयता के लिए गंभीर खतरा है।साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का भी यही मत है कि इसके इस्तेमाल में बेहद सतर्कता और समझदारी की जरूरत है। क्योंकि भले इस तरह के एप और एआई टूल्स सुरक्षित दिखें,मगर इनकी शत्रे और नियम बेहद अस्पष्ट होती हैं। एक बड़ा खतरा निजी तस्वीरों की चोरी और उसके गलत उपयोग का है।कई बार डीपफेक बनाने में कई सेलेब्रिटी की तस्वीरों का उपयोग किया गया है। कई बार तो फोटो या डाटा डार्क वेब को बेचे भी गए हैं। दरअसल, घिबली जापानी एनिमेशन की कला शैली स्टूडियो घिबली का ट्रेंड ओपन एआई के जीपीटी-40 मॉडल है,जिसमें तस्वीरों में महज आपका चेहरा ही नहीं बल्कि आपकी लोकेशन,वक्त और डिवाइस की जानकारी जैसा छिपा हुआ मेटाडाटा भी होता है और ये सभी निजी गोपनीय जानकारी आसानी से दे सकते हैं।हम भारतीयों में भेड़ चाल चलने की बुरी आदत घर कर चुकी है। कोई भी नई तकनीक का इस्तेमाल हम बिना उसके गुण-दोष के आधार पर नहीं करते हैं। साइबर युग में इस तरह की गलती के बेहद खतरनाक अंजाम भुगतने की आशंका बलवती होती है। पहले भी तस्वीरों का डीपफेक की मदद से कितना भद्दा और गंदा मजाक किया गया, यह बताने की जरूरत नहीं है। सरकार इन सब बातों से भिज्ञ है, मगर उसकी तरफ से कोई चेतावनी या निर्देश देने की पहल अब तक नहीं की गई है। होना तो यह चाहिए कि जनता को इसके बारे में सूचना और प्रसारण मंत्रालय को एक जागरूकता कैंपेन चलाना चाहिए।सोशल मीडिया के जरिये सरकारी संस्थाओं को इस तरह के एप्लीकेशन पर बराबर नजर रखने और जनता को लगातार सतर्क रहने की कवायद करते रहना होगा। छोटी सी खुशी के चक्कर में बड़ा और कभी न भूलने वाले कृत्य को लेकर जनता को भी सोचना होगा। सिर्फ भीड़ का हिस्सा बनने से बचने में ही आज के वक्त में भलाई है। यह दौर वाकई बेहद खतरनाक है।

यूपी में इसलिये नहीं बन पाया वक्फ कानून के खिलाफ माहौल

अजय कुमार
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

देश का सबसे बड़े सूबे और यहां के सबसे समृद्ध वक्फ बोर्ड और उससे जुड़े उत्तर प्रदेश के करोड़ों मुसलमानों ने वक्फ अधिनियम 1995 में मोदी सरकार द्वारा किये गये बदलाव के खिलाफ कोई मुखरता नहीं दिखाकर पूरे मुल्क को हैरान कर दिया है। छिटपुट विरोध की जो खबरें आईं भी तो उससे कोई बड़ा राजनैतिक संदेश नहीं निकला। यूपी के मुसलमानों के इस रवैये ने मोदी-योगी के विरोधियों को हैरान कर दिया है,जबकि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ-साथ कई मुस्लिम नेता यूपी को वक्फ आंदोलन की बड़ी रणभूमि बनाना चाहते हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तमाम मौलाना, हैदराबाद में बैठे ओवैसी ही नहीं यूपी के मुस्लिम सांसद अफजाल अंसारी इकरा हसन,जियाउर रहमान बर्क, मुहिबुल्लाह,इमरान प्रतापगढ़ी मुस्लिमों को भड़काने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। यूपी के मुसलमानों की शांति इस हिसाब से भी खास है क्योंकि वक्फ कानून में बदलाव की वजह से यूपी से इत्तर पूरे देश के मुस्लिमों का गुस्सा सड़क पर फूट रहा है,जो कई जगह हिंसक रूख भी अख्तियार कर रहा है। बिहार,कर्नाटक,तमिलनाडु सहित कई राज्यों में वक्फ कानून में बदलाव के खिलाफ आंदोलन चल रहा। यहां तक की अपेक्षाकृत शांत समझा जाने वाला गुजरात भी विरोध की चिंगारी से नहीं बच पाया है। पश्चिम बंगाल में हालात सबसे अधिक बेकाबू हैं। यहां तो मोदी सरकार द्वारा किये गये वक्फ कानून में बदलावों के विरोध के नाम पर हिन्दुओं को टारगेट किया जा रहा है। उनकी संपत्ति को आग लगाई जा रही है। मुर्शिदाबाद के हाल तो सबसे अधिक चिंताजनक हैं। जहां से बड़ी संख्या में हिन्दू अपनी जान और बहू बेटियों की इज्जत बचाने के लिये रात के अंधेरे में पलायन को मजबूर हो गये। ऐसी वारदातों पर लगाम लगाने की बजाये ममता बनर्जी कहती हैं कि 33 फीसदी मुसलमानों को फेंक थोड़ी दिया जायेगा।

बात यूपी की करें तो मोदी सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव के बाद भी मुसलमान शांत है तो यह वक्फ बोर्ड की विवादास्पद कार्यप्रणाली है,जिससे गरीब मुसलमान भी परेशान है जिसे वक्फ बोर्ड में अभी तक कोई जगह नहीं मिली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वक्फ बोर्ड की तुलना भूमाफिया से की है,खासकर प्रयागराज में कुंभ मेले की भूमि को लेकर विवाद के संदर्भ में। इसके अलावा, वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय का वक्फ बोर्ड पर विश्वास कम हुआ है। जबकि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वक्फ संशोधन विधेयक की आलोचना करते हुए इसे मुस्लिमों के अधिकारों का हनन बताया। वहीं, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण को मुस्लिमों को निशाना बनाने की साजिश करार दिय। हालांकि,मुस्लिम समुदाय के भीतर से एक संगठित और व्यापक प्रतिक्रिया की कमी देखी गई है। वक्फ बोर्ड पर अविश्वास के अलावा अयोध्या में बाबरी मस्जिद के बदले में मिली भूमि पर मस्जिद निर्माण में देरी और वक्फ बोर्ड की निष्क्रियता ने मुस्लिम समुदाय का विश्वास कम किया है। इसके साथ-साथ मुस्लिम समुदाय में शिया-सुन्नी विभाजन और विभिन्न संगठनों के बीच समन्वय की कमी के कारण एकजुट प्रतिक्रिया नहीं हो पा रही है।

राजनीति के जानकार यह भी कहते हैं कि योगी सरकार की सख्ती से भी लोग डरे हुए हैं। वह सीएए आंदोलन के समय योगी सरकार के तेवरों को भुला नहीं पाए हैं। योगी आंदोलन के नाम पर हिंसा करने वालों को कहीं का नहीं छोड़ते हैं। सरकारी कार्रवाईयों और सामाजिक माहौल के कारण मुस्लिम समुदाय में भय का वातावरण है,जिससे वे खुलकर वक्फ कानून का विरोध करने से बच रहे हैं।इन लोगों का अब सुप्रीम कोर्ट का ही भरोसा बचा है,लेकिन वहां से भी कोई खास उम्मीद लगाना बेईमानी होगी। यूपी में वक्फ कानून में बदलाव के बाद की शांति इस लिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रदेश में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों और उनसे जुड़े विवादों की स्थिति काफी जटिल और बहुआयामी है। अक्सर इसको लेकर विवाद होता रहता है। प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की संख्या देश में सबसे अधिक है। वर्ष 2022 में केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, राज्य में वक्फ के पास कुल 2,14,707 संपत्तियाँ हैं,जिनमें 1,99,701 सुन्नी वक्फ और 15,006 शिया वक्फ संपत्तियाँ शामिल हैं। हालांकि, 2014 में जारी एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कुल 1,24,720 वक्फ संपत्तियाँ थीं, जिनमें से 1,19,451 सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास और 5,269 शिया वक्फ बोर्ड के पास थीं। वक्फ संपत्तियों में धार्मिक स्थल,मस्जिदें, ईदगाह,दरगाहें,कब्रिस्तान,मदरसे, आशूरखाने,धर्मार्थ अस्पताल, दुकानें,बाजार,कृषि भूमि शामिल हैं। ये संपत्तियाँ वक्फ करने वालों द्वारा धार्मिक,सामाजिक और जनहित के उद्देश्य से वक्फ बोर्ड के अधीन कर दी जाती हैं और इनका प्रबंधन वक्फ अधिनियम,1995 के तहत होता है,इस अधिनियम के तहत, प्रत्येक राज्य में वक्फ बोर्ड की स्थापना की गई है, जो इन संपत्तियों का प्रबंधन और संरक्षण करता है,जिसमें 2013 में यूपीए की मनमोहन सरकार ने कई बड़े बदलाव कर वक्फ बोर्ड को अपार अधिकार दे दिये थे, जिसको लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा था। खैर,उत्तर प्रदेश में वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों की संख्या भी अत्याधिक है। वर्ष 1976 में प्रदेश सरकार ने वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण के लिए एक बोर्ड का गठन किया था, जिसकी रिपोर्ट 1988 में प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में कुल 1,32,140 वक्फ संपत्तियां थीं, जिनमें 1,24,355 सुन्नी वक्फ और 7,785 शिया वक्फ थीं। हालांकि, वक्फ मैनेजमेंट सिस्टम ऑफ इंडिया (वामसी) के अनुसार, यह संख्या 2.37 लाख तक पहुँच गई है। इन संपत्तियों में से कई पर स्वामित्व को लेकर विवाद हैं, जहाँ वक्फ बोर्ड और राज्य सरकार दोनों ही दावे कर रहे हैं। इसके अलावा, कई संपत्तियां अतिक्रमण की शिकार हैं, जहां लोगों ने कब्जा कर रखा है और किराया तक नहीं दे रहे। इन्हीं खामियों को दूर करने के लिये मोदी सरकार ने वक्फ कानून में बदलाव किया है।

दरअसल,वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में कई प्रशासनिक चुनौतियां सामने आती हैं। वक्फ बोर्ड की 1.27 लाख संपत्तियों में से केवल 3,000 संपत्तियों का रिकॉर्ड राजस्व विभाग के पास है। कई वक्फ संपत्तियाँ अतिक्रमण की शिकार हैं, जहां लोगों ने कब्जा कर रखा है और किराया तक नहीं दे रहे। तमाम वक्फ संपत्तियों के स्वामित्व को लेकर वक्फ बोर्ड और राज्य सरकार के बीच कई कानूनी विवाद चल रहे हैं। प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की संख्या और उनसे जुड़े विवाद, इन संपत्तियों का उचित प्रबंधन और विवादों का समाधान राज्य सरकार, वक्फ बोर्ड और संबंधित समुदायों के सहयोग से ही संभव है। इसके लिए पारदर्शिता,रिकॉर्ड की सटीकता,और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है।ऐसा लगता है मोदी सरकार के वक्फ कानून में संशोधन से एक तरफ वक्फ बोर्ड की मनमानी रूकेगी तो दूसरी ओर वक्फ बोर्ड के फैसलों से पीड़ित पक्ष के लिये न्याय के दरवाजे खुलेगें जो अभी तक बंद नजर आते हैं। गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों और उनसे संबंधित विवादों की स्थिति एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा रहा है। प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की संख्या देश में सबसे अधिक है। राज्य में कुल 2,32,547 वक्फ संपत्तियाँ पंजीकृत हैं, जो राष्ट्रीय कुल का लगभग 27 प्रतिशत है। इनमें से सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अंतर्गत 2,17,161, शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अंतर्गत 15,386 संपत्तियाँ आती हैं। इसके अलावा भी प्रदेश में वक्फ बोर्ड ने 57,792 सरकारी संपत्तियों पर वक्फ होने का दावा किया है, जो लगभग 11,712 एकड़ भूमि पर फैली हुई हैं। यह विवाद मुख्य रूप से इस कारण उत्पन्न हुआ है कि कई संपत्तियां, जो वक्फ के रूप में पंजीकृत हैं, उन्हें राजस्व विभाग की रिकॉर्ड में सार्वजनिक उपयोग की भूमि के रूप में दर्ज किया गया है।

यूपी के प्रमुख जिलों में विवादों की स्थिति की बात की जाये तो शाहजहांपुर में 2,589 वक्फ संपत्तियों में से 2,371 को सरकारी भूमि के रूप में दर्ज किया गया है। वहीं रामपुर में 3,365 में से 2,363 संपत्तियां सरकारी रिकॉर्ड में हैं।अयोध्या में 3,652 में से 2,116 जौनपुर में 4,167 में से 2,096 बरेली में 3,499 में से 2,000 संपत्तियां विवादित हैं।इसके अतिरिक्त, लखीमपुर खीरी, बुलंदशहर, फतेहपुर, सीतापुर, आजमगढ़, सहारनपुर, मुरादाबाद, प्रतापगढ़ आदि जिलों में भी हजारों वक्फ संपत्तियाँ विवादित हैं। 1995 के वक्फ अधिनियम के तहत ही वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवादों के निपटारे के लिए वक्फ ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई है, जो विशेष न्यायिक निकाय हैं। वर्तमान में, देशभर में वक्फ ट्रिब्यूनलों में 40,951 मामले लंबित हैं, जिनमें से 9,942 मामले मुस्लिम समुदाय द्वारा वक्फ प्रबंधन संस्थाओं के खिलाफ दायर किए गए हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मीडिया और सोशल मीडिया का मायाजाल

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
हरदा मध्य प्रदेश

आज के समय में सोशल मीडिया की चकाचौंध ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है। लोग अक्सर वास्तविकता और कल्पना के बीच का अंतर भूल जाते हैं और भ्रम के मायाजाल में फंस जाते हैं। लोगों को मीडिया साक्षरता के बारे में शिक्षित करना जरूरी है, ताकि वे जानकारी को सही

मीडिया और सोशल मीडिया की चकाचौंध एक मृग मरीचिका की तरह है। तरीके से समझ सकें और उसका विश्लेषण कर सकें।लोगों को वास्तविकता के साथ जुड़ने की जरूरत है,जैसे कि प्रकृति के साथ समय बिताना, वास्तविक लोगों से मिलना, और वास्तविक अनुभव करना। ध्यान और आत्म-चिंतन से लोगों को अपने विचारों और भावनाओं को समझने में मदद मिल सकती है और वे भ्रम के मायाजाल से बाहर निकल सकते हैं।मीडिया और सोशल मीडिया की चकाचौंध एक मृग मरीचिका की तरह है। आज के समय में मीडिया और सोशल मीडिया ने हमारी जिंदगी को पूरी तरह से बदल दिया है। हमारा अधिकांश समय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बीतता है, जहाँ हम जानकारी प्राप्त करते हैं,मनोरंजन करते हैं, और दूसरों के साथ जुड़ते हैं। लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि यह चकाचौंध हमें कहाँ ले जा रही है? मीडिया और सोशल मीडिया की दुनिया में हमें अक्सर वास्तविकता और कल्पना के बीच का अंतर भूलने की आदत हो जाती है। हम भ्रम के मायाजाल में फंस जाते हैं और सच्चाई को भूल जाते हैं। यह चकाचौंध हमें एक मृग मरीचिका की तरह लगती है, जो हमें आकर्षित करती है लेकिन हमें कहीं नहीं ले जाती। इस मृग मरीचिका से बाहर निकलने के लिए हमें मीडिया साक्षरता की आवश्यकता है। हमें जानकारी को सही तरीके से समझने और उसका विश्लेषण करने की जरूरत है। हमें वास्तविकता के साथ जुड़ने की जरूरत है, जैसे कि प्रकृति के साथ समय बिताना, वास्तविक लोगों से मिलना,और वास्तविक अनुभव करना।समालोचनात्मक सोच का विकास भी हमें इस मृग मरीचिका से बाहर निकलने में मदद कर सकता है। हमें जानकारी को सही तरीके से समझने और उसका मूल्यांकन करने की जरूरत है। ध्यान और आत्म-चिंतन भी हमें अपने विचारों और भावनाओं को समझने में मदद कर सकते हैं और हमें भ्रम के मायाजाल से बाहर निकाल सकते हैं। हमें इस मृग मरीचिका से बाहर निकलने की जरूरत है और वास्तविकता के साथ जुड़ने की जरूरत है। हमें सच्चाई को ढूंढने की जरूरत है और भ्रम के मायाजाल से बाहर निकलने की जरूरत है। तभी हम एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने में सक्षम हो पाएंगे।

गर्मी ने पानी का गणित बिगाड़ा

भारत के सबसे बड़े महानगरों में से एक मुंबई की प्यास बुझाने का दारोमदार जिन सात जलाशयों पर है, उनमें मार्च के चौथे हफ्ते में ही महज 37.67 प्रतिशत पानी बच रह गया। इन जलाशयों में फिलहाल 5 लाख 45 हजार 183 मिलियन लीटर पानी है। दावा है कि यह जल बमुश्किल मई महीने तक चल पाएगा। हर दिन 400 करोड़ लीटर पेयजल की मांग वाले इस महानगर में समय से पहली आई गर्मी ने पानी का गणित बिगाड़ दिया है। गर्मी के कारण जलाशयों में वाष्पीकरण तेज हो गया है। इसलिए जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। देश के दूसरे संरक्षित जलाशयों के हालात भी मुंबई से बेहतर नहीं हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश के अधिकांश बड़े जलाशयों में पानी उनकी कुल क्षमता के मुकाबले 45त्र तक कम हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने मार्च से मई के बीच भीषण गर्मी की चेतावनी दी है, तीखी गर्मी यानी जमा जल का अधिक वाष्पीकरण। सीडब्ल्यूसी के अनुसार, देश के 155 प्रमुख जलाशयों में फिलहाल 8,070 करोड़ क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी बचा है, जबकि इनकी कुल क्षमता 18,080 करोड़ क्यूबिक मीटर है। जलाशय आरक्षित जल-कुंड हैं, जो खेती-किसानी की जान होते हैं। अभूत से कल-कारखाने भी इनके पानी पर निर्भर हैं। पेयजल तो है ही। यदि इन जलाशयों में पानी पर वाष्पीकरण की चोट गहरी हुई तो जान लें कि रबी और खरीफ के बीच तीसरी फसल लेने वाले खेत खाली ही रहेंगे। यदि जलाशय खाली, नदी सूखी तो बहुत सी जल विद्युत परियोजनाओं का ठप होना भी तय है। चिलचिलाती गर्मी में बिजली की कमी बड़े स्तर पर हाहाकार का न्योता है। संकट अकेले जलाशयों का नहीं है, नदियां भी समय से पहले सूख रही हैं। नदियों का सूखना अकेले पानी की कमी ही नहीं होता, इससे समूचे पर्यावरणीय तंत्र का नुकसान होता है। जमीन की नमी कम होने से ले कर जल-जंगल के जीव तक इससे प्रभावित होते हैं, और यह समूचा तंत्र जंगलों के नुकसान का कारण बनता है। खून से लाल बस्तर की जीवन रेखा कहलाने वाली इंद्रावती नदी फरवरी के अंतिम हफ्ते में ही मैदान बन गई। बालाघाट की बावन थड़ी नदी हो या फिर अम्बिकापुर की बांकी नदी या बदायूं की सोत नदी, हर जगह जलधर की जगह रेत का मैदान है और लगता है कि नदी वास्तव में पानी के लिए नहीं, बल्कि बालू के लिए होती है। यह बात सीडब्ल्यूसी कह रहा है कि देश की 20 नदी घाटियों में से 14 में मौजूदा जल भंडार उनकी क्षमता के मुकाबले आधे से भी कम है। इन नदी बेसिनों में से गंगा अपनी सक्रिय क्षमता के मुकाबले मात्र 50 फीसद पर है, जबकि गोदावरी में 48, नर्मदा में 47 और कृष्णा में 34 फीसद पानी ही शेष बचा है। यह परिदृश्य भूजल के लिए सबसे बड़ा खतरा है और हमारे देश की अधिकांश ग्रामीण जल योजनाएं भूजल पर ही निर्भर हैं। बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ का ही परिणाम है कि बिहार की 90 फीसद नदियों में पानी नहीं बचा। कुछ दशक पहले तक राज्य की बड़ी नदियां-कमला, बलान, फल्गू, घाघरा आदि-कई-कई धाराओं में बहती थीं जो आज नदारद हैं। झारखंड की 141 नदियों के गुम हो जाने की बात फाइलों में दर्ज हो चुकी है। राज्य की राजधानी रांची में करमा नदी देखते देखते अतिक्रमण के घेर में मर गई। हरमू और जुमार नदियां नाला बना चुकी हैं। चतरा, देवघर, पाकुड़, पूर्वी सिंहभूम घने जंगल वाले जिले हैं, जहां कुछ ही सालों में सात से 12 नदियों की जल धारा मर गई। यह सवाल हमारे देश में लगभग हर तीसरे साल खड़ा हो जाता है कि औसत से कम' पानी बरसा या बरसेगा, अब क्या होगा?

-पंकज चतुर्वेदी-

कविता
गुमसुम लड़कियां

घटती-घटना

चंद्रकांत खूंटे
जांजगीर चांपा
छत्तीसगढ़

बोलने वाली लड़कियाँ
अक्सर बोल जाती है सच्चाई को
और मन में भरे भाव को
दूरीपन व लगाव को।
किंतु चुप रहने वाली को देखा है
अक्सर दुखी बेचैन तनावयुक्त
अंदर ही अंदर खींझते हुए
स्वेद सरिस पझीसते हुए
निज सपने को तोड़ते कर
खुशियों की गला मरोड़ते हुए
केवल आत्मविश्वास की कमी से
हो जाती है अन्याय-शोषण की शिकार
नकारात्मक भाव के भर जाने से
रह जाती है आजीवन बीमार
तोड़ न पाती इस चक्रव्यूह को
लाँघ न पाती मर्यादा की दीवार
बढ़ने के अवसर से हो जाती वंचित
दफन हो जाती हक-अधिकार
इसलिए बेटियों! तौलों फिर मुँह खोलो
कही नम्र तो कही उग्र स्वर मे बोलो ।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

जंगलों पर छाया इंसानों का आतंकःएक अनदेखा संकट

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

हाल ही में एक प्रमुख अखबार की हेडलाइन ने ध्यान खींचा—शहर में बंदरों और कुत्तों का आतंक। यह वाक्य पढ़ते ही एक गहरी असहजता महसूस हुई। शायद इसलिए नहीं कि खबर गलत थी, बल्कि इसलिए कि वह अधूरी थी। सवाल यह नहीं है कि जानवर शहरों में क्यों आ गए, बल्कि यह है कि वे जंगलों से क्यों चले आए? हम जिस आतंक की बात कर रहे हैं, वह वास्तव में प्रकृति का प्रतिवाद है—उस दोहरी मार का नतीजा जो हमने जंगलों और वन्यजीवों पर एक लंबे अरसे से चलाया है। विकास के नाम पर हमने जंगलों को काटा, नदियों को मोड़ा, और पहाड़ों को तोड़ा। वन्यजीवों के लिए न तो रहने की जगह छोड़ी, न भोजन का साधन। जब उनका प्राकृतिक निवास उजड़ गया,तब वे हमारी बस्तियों की ओर बढ़े। और अब,जब वे हमारी छतों,गलियों और पार्कों में दिखते हैं, तो हम उन्हें 'आतंकी' करार देते हैं। यह नजरिया न केवल नैतिक दृष्टि से अनुचित है,बल्कि हमारी नीति और प्राथमिकताओं में गहरी खामी को भी उजागर करता है। विकास और संरक्षण को एक-दूसरे के विरोधी खेमों में खड़ा कर देने का नतीजा यह है कि न तो सही मायनों में विकास हो पा रहा है,न ही प्रकृति का संतुलन बच पा रहा है।

हाल ही में एक अखबार की प्रमुख हेडलाइन पढ़ी—शहर में बंदरों और कुत्तों का आतंक। यह वाक्य महज एक खबर नहीं,बल्कि हमारे सोचने के तरीके का प्रतिबिंब था। हमने जानवरों के शहर में आने को आतंक करार दिया, लेकिन कभी यह सवाल नहीं पूछा कि वो शहर में आए ही क्यों? जब कोई बंदर किसी कॉलोनी की छत पर उछलता है, या कोई कुत्ता कूड़े के ढेर में भोजन तलाशता है, तो वह कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं होती। यह उस संकट का संकेत होता है जिसे हम—मनुष्य—ने स्वयं गढ़ा है। जंगल, जो कभी इन जीवों का घर थे, अब रियल एस्टेट की परियोजनाओं,खनन कार्यों,सड़कों और डैमों की बलि चढ़ चुके हैं। आज अगर कोई सच में आतंक फैला रहा है,तो वह है इंसानी लालच और विकास का अंधा मॉडल। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जहाँ जैव विविधता की अद्भुत संपदा है। लेकिन यही भारत आज अपने ही जंगलों को खा रहा है। 2021 की फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि भारत ने पिछले चार वर्षों में 1,100 वर्ग किलोमीटर से अधिक वनक्षेत्र खो दिया है। हरियाणा, मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़,ओडिशा जैसे राज्यों में यह गिरावट विशेष रूप से चिंताजनक रही है। वन कटान केवल पेड़ों का नुकसान नहीं है। यह पूरी एक पारिस्थितिकी व्यवस्था का ध्वंस है। जब हम पेड़ काटते हैं, हम न सिर्फ ऑक्सीजन के स्रोत मिटाते हैं, बल्कि हजारों पशु-पक्षियों के घर उजाड़ देते हैं। यही कारण है कि आज हमें गाँवों और शहरों के आसपास बाघ, हाथी, भालू और यहाँ तक कि तेंदुए भी दिखने लगे हैं।

शहरों में जानवरों की बढ़ती उपस्थितिः एक चेतावनी

बंदरों का शहरों में आना आज एक आम दृश्य बन गया है। दिल्ली, वाराणसी, जयपुर, और देहरादून जैसे शहरों में बंदरों की आबादी तेज़ी से बढ़ी है। कारण स्पष्ट हैं—कम होती हरियाली, अधिक होता कूड़ा,और बिगड़ता पारिस्थितिक संतुलन। इसी तरह,आवारा कुत्तों की संख्या भी शहरों में नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाईजेशन अनुसार भारत में लगभग 3.5 करोड़ आवारा कुत्ते हैं,और हर साल हजारों लोग कुत्तों के काटने के शिकार होते हैं। मगर यह समस्या केवल स्वास्थ्य या सुरक्षा की नहीं है; यह समस्या हमारे कुप्रबंधन और लापरवाह विकास की है। हमने कूड़ा फेंकने के तरीकों को सुधारा नहीं, सार्वजनिक पशु-नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता नहीं दी, और अब जब जानवर हमारी बस्तियों में दिखते हैं, तो उन्हें संकट कह कर खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश करते हैं। मीडिया की भूमिका और भाषा का प्रभाव जब कोई अखबार लिखता है कि बंदरों का आतंक, तो वह केवल सूचना नहीं दे रहा होता, बल्कि एक धारणा गढ़ रहा होता है। यह धारणा कि जानवर आक्रमणकारी हैं, और हम पीड़ित। मीडिया की यही भाषा यह छिपा लेती है कि असल में हम ही उनके घरों में घुसे थे,उनकी ज़मीन छीनी,और अब जब वो अपनी जगह पाने की कोशिश करते हैं,तो उन्हें दोषी ठहराते हैं। यह भाषा केवल संवेदनहीन नहीं,बल्कि खतरनाक भी है,क्योंकि इससे संरक्षण के प्रति समाज की समझ और सहानुभूति दोनों कमजोर पड़ती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार,भारत में हर साल औसतन 100 से अधिक लोग हाथियों के हमलों में मारे जाते हैं, और दर्जनों बाघ-मानव संघर्ष की घटनाएँ सामने आती हैं। मगर इन घटनाओं के पीछे की सच्चाई यह है कि वन्यजीवों का घर सिकुड़ता जा रहा है। जंगलों में भोजन और पानी की कमी उन्हें मानव बस्तियों की ओर खींचती है। कभी-कभी वे रास्ता भटक जाते हैं, तो कभी उन्हें मजबूरी में खेतों और घरों में घुसना पड़ता है। यह संघर्ष उनके लिए भी घातक है—हर साल सैकड़ों जानवर इंसानी जवाबी हिंसा में मारे जाते हैं।

क्या हो सकता है समाधान?

भारत में वर्ल्ड वाईड प्रोटेक्शन एकट और फॉरेस्ट कन्वर्सेशन 1980 जैसे सशक्त कानून हैं, लेकिन उनके लागू करने में अनेक समस्याएँ हैं। वन विभाग अक्सर संसाधनों और जनबल की कमी से जूझता है। इसके अलावा, जब विकास परियोजनाओं और वन्यजीव संरक्षण में टकराव होता है, तो अक्सर विकास को तरजीह दी जाती है,भले ही उसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी हों। इस संकट से उबरने के लिए केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन ज़रूरी है। कुछ संभावित उपाय इस प्रकार हैं- शहरी नियोजन में हरित क्षेत्र सुनिश्चित किया जाए—पार्क,बाग़-बगिचे, और वृक्षारोपण को केवल सजावटी पहलू नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी के हिस्से के रूप में देखा जाए। वन्यजीव गलियारे विकसित किए जाएँ —जिससे जानवरों को सुरक्षित आवागमन का रास्ता मिले। कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए—ताकि जानवर शहरी कूड़े पर निर्भर न हों। मीडिया और शिक्षा में संवेदनशीलता लाई जाए— जानवरों को आतंकवादी बताने के बजाय उनके संघर्ष को समझने और सहानुभूति की भाषा अपनाई जाए। स्थानीय समुदायों को शामिल किया जाए—उन्हें संरक्षण के साझेदार बनाना होगा, विरोधी नहीं।

अंतिम बातः इंसान अकेला नहीं है इस धरती पर

हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। जंगलों, नदियों, पहाड़ों, और समंदरों के साथ-साथ हर जीव-जंतु का इस पर उतना ही अधिकार है जितना हमारा। जब हम शहरों का विस्तार करते हैं, जब हम मॉल और एक्सप्रेसवे बनाते हैं, तब हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि किसी न किसी की ज़मीन छीनी जा रही है—कभी किसी हिरन की,कभी किसी हाथी की। हम अगर प्रकृति से लड़ते रहेंगे, तो अंततः हार हमारी ही होगी—क्योंकि प्रकृति को हराया नहीं जा सकता, बस अस्थायी रूप से दबाया जा सकता है। बंदरों का आतंक एक समाचार की हेडलाइन हो सकती है, लेकिन असल हेडलाइन यह होनी चाहिए थी—जंगलों पर इंसानों का आतंक।

AMBIKAPUR GG PAPER 17 APRIL 2025_Layout 2 4/17/2025 3:53 AM Page 3

केंद्र सरकार राजनीतिक द्वेष के चलते सोनिया व राहुल गांधी को कर रही परेशान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं खिलाफ राजनीतिक दूर्भावना से ईडी द्वारा चार्जशीट दायर करने के विरोध में कांग्रेस ने ईडी और केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। राष्ट्रयापी आह्वान पर बुधवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक के नेतृत्व में कांग्रेस ने घड़ी चौक में ईडी और केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस जिला अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक ने कहा कि केंद्र सरकार राजनीतिक द्वेष के चलते कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी,राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं को परेशान कर रही है। नेशनल हेराल्ड अखबार आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के विरुद्ध एक मजबूत वैचारिक हथियार के रूप में लाया गया था। उसे बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी यंग इंडिया नामक गैर लाभकारी कम्पनी बनाकर आगे आयी। जब सारे लेनदेन बैंक खाते से किया गया। कम्पनी ने कोई लाभ नहीं कमाया तो घोटाले की बात कहां से आ गयी। 2012 से जांच के नाम कांग्रेस नेताओं को बदनाम किया जा रहा है। आज तक जान एजेंसियों के हाथ कुछ भी हासिल नहीं हुआ। इससे पहले कोविड के समय बीमार अवस्था में सोनिया जी से 12 घण्टे और राहुल गांधी से 50 घण्टे की पूछताछ हो चुकी है। देश मे जब भी कोई गम्भीर संकट की स्थिति बनती है केंद्र सरकार उससे जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाती है। हम अंग्रेजो से लडक़र उन्हें देश छोडऩे पर मजबूर करने वाले लोग है इन फासीवादियों के षड्यंत्र से डरने वाले नहीं हैं। इसका पुरजोर विरोध होगा। इस दौरान पूर्व सभापति अजय अग्रवाल, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद,राकेश गुप्ता पूर्व जिला अध्यक्ष, विनय शर्मा बंटी,मो इस्लाम,मदन जायसवाल,राजीव अग्रवाल,शैलू सोनी, रामविनय सिंह,हेमन्त तिवारी,अनिल सिंह,वालकेश्वर,संजय विश्वकर्मा,हेमन्त तिवारी, वीनू जायसवाल,मधु दीक्षित,सिमा सोनी,लालचंद यादव,सत्येंद्र तिवारी,आशीष वर्मा,दीपक मिश्रा,अशफाक अली, प्रमोद चौधरी,लवकेश पासवान,रजनीश सिंह, चन्द्र प्रकाश सिंह, नीतीश चौरसिया,आलोक सिंह,सतीश बारी,हिमांशु जायसवाल,संजीव मंदिलवार,नरेंद्र विश्वकर्मा, अमितेज सिंह,अभिषेक शुक्ला,राशिद अंसारी, बाबर इदरीसी,सौरभ फिलिप,अमित सिंह,धीरज गुप्ता,वेद प्रकाश शर्मा,कलीम खान,अमित वर्मा,मेघा खांडेकर,विकाश केशरी,सपना सिन्हा,साधना कश्यप,बैजनाथ ठाकुर,नरेंद्र बाबर,तीर्थ चौधरी,निखिल विश्वकर्मा,लक्ष्मी गुप्ता,जगन्नाथ कुशवाहा,विकास शर्मा,पवन पाण्डेय,अमित मिंज, मिथुन सिंह, राधे गोयल,अमित मिंज,,केदार यादव, दिनेश शर्मा,अंकित जैसवाल, अमित तिवारी,धीरज गुप्ता, वीरेंद्र पाठक,शमा परवीन, गीता रजक,वीरेंद्र सिन्हा,चित्रा मिश्र,गीता प्रजापति,अविनाश ठाकुर,नुजहत फातिमागीता प्रजापति,अनुराधा सिंह, पूर्णिमा सिंह, सरला राय, रही गजाला, अंजुमशकीला सिद्दीकी, परवेज आलम,रश्मि सोनी, उर्मिला विश्वास, सुरेंद्र गुप्ता,संजर नवाज, लोलर सिंह, आकाश यादव,अभिनव काशी, आयुष, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता औरपदाधिकारी उपस्थित थे।

मोर दुआर-साय सरकार आवास प्लस सर्वेक्षण 2.0 का जारी अंतिम तिथि 30 तक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

जिले में मोर दुआर - साय सरकार के अंतर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण 2.0 का का पखवाड़ा मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में मोर आवास मोर अधिकार के संकल्प को साकार करने हेतु यह सर्वे अभियान तीन चरणों में संचालित किया जा रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 तक निर्धारित की गई है। प्रथम चरण में, 15 अप्रैल से 19 अप्रैल 2025 तक ब्लॉक स्तर पर आवास सर्वेक्षण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया है। इस दौरान संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। द्वितीय चरण में, 20 अप्रैल से 28 अप्रैल 2025 तक ग्राम सभाओं का आयोजन कर सर्वेक्षण की प्रक्रिया का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा,जिससे ग्रामीणों में पारदर्शिता बनी रहे और योजना की जानकारी सीधे पहुंच सके। तृतीय एवं अंतिम चरण में,29 व 30 अप्रैल 2025 को ग्राम पंचायत सरपंच के संयुक्त हस्ताक्षर के साथ सर्वे कार्य को शत प्रतिशत पूर्ण कर जिला स्तर पर प्रेषित किया जाएगा। जिला प्रशासन सरगुजा ने सभी ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है, जिससे हर पात्र व्यक्ति को आवास योजनाओं का लाभ मिल सके और 'मोर आवास मोर अधिकार' के संकल्प को साकार कर सके।

सुशासन तिहार-2025 के दौरान अवकाश प्रतिबंधित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

सुशासन तिहार-2025 के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आदेश जारी कर 31 मई 2025 तक जिले में पदस्थ समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश पर पूर्णतः प्रतिबंध घोषित किया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय अग्रवाल ने इस सम्बन्ध में सर्व विभाग प्रमुखों को पत्र जारी किया है। जिसके अनुसार विशेष परिस्थितियों में अवकाश की आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय प्रमुख,विभाग प्रमुख,प्रथम श्रेणी,द्वितीय श्रेणी के अधिकारियो एवं कर्मचारियों के अवकाश की स्वीकृति या अनुमति हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा को अधिकृत किया गया है। अवकाश स्वीकृति कलेक्टर सरगुजा के अनुमोदन उपरांत किया जाएगा। वहीं तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश स्वीकृति या अनुमति हेतु संबंधित विभागीय प्रमुख को अधिकृत किया गया है।

कोर्ट के सामने बीती रात चार दुकानों में चोरी से हडक़ंप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कोर्ट के सामने चार दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। एक साथ चार दुकानों में हुई चोरी से व्यवसायियों में हडक़ंप है। चोरों ने वेलकम फुटवियर, सिंह इंटरप्राइजेस,किताब घर,सैनी ब्रदर्स में धावा में वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस से बचने के लिए चोरों ने वेलकम फुटवियर में लगे चार सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसके बावजूद तीन चोर वारदात को अंजाम देते सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। चोरों ने दुकान से आधा दर्जन से अधिक जूते भी पार कर दिए हैं। चारों दुकान में मिलाकर कुल चोरी 50 हजार से अधिक की बताई जा रही है। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

चोरी की घटना की जानकारी व्यवसायियों को बुधवार की सुबह हुई। सभी जब अपनी-अपनी दुकाने खोलने पहुंचे तो अंदर सामान बिखरा पड़ा था। दुकान संचालकों का मनना है कि चोरों ने सबसे पहले सैनी ब्रदर्स किताब दुकान में वारदात को अंजाम दिया है। दुकान संचालक प्रवीण सिंह का कहना है कि दुकान के पीछे पेड़ है। संभवतः चोरों ने उसी पेड़ के सहारे छत पर आकर गेट को उखाडक़र दुकान के अंदर घुसे हैं। इसके बाद सभी दुकानों में उसी अंदाज में छत पर लगे गेट को उखाडक़र वारदात को अंजाम दिया है। दुकान संचालक का कहना है कि चोरों ने दुकान के काउंटर से लगभग 15 हजार रुपए नकदी पार कर दिया है। वहीं दुकान किताब घर के संचालक शशिकांत सिंह का कहना है कि मेरे दुकान के काउंटर से चोरों ने लगभग 20 हजार रुपए पार कर दिया है। इसके बाद चोरों ने सिंह इंटरप्राइजेस में वारदात को अंजाम दिया है। यहां से चोरों ने लगभग 4 हजार नगदी व 6 हजार का पाइप चोरी कर ले गए हैं। इन तीनों दुकानों में सीसीटीवी लगे हैं पर रात को बंद कर दिया गया था। इस लिए इन दोनों दुकानों में चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद नहीं हो सका है। दुकान संचालकों का मनना है कि चोरों ने सैनी ब्रदर्स,किताब दुकान व सिंह इंटर प्राइजेज में वारात को अंजाम देने के बाद वेलकम फुटवियर में धावा बोला है। यहां भी चोरों ने छत का गेट उखाडक़र दुकान के अंदर घुसे हैं और दुकान में लगे चार सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त कर दिय है। इसके बावजूद भी चोर सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। वेलकम फुटवियर में लगभग रात 3.28 में तीन चोर दुकान के अंदर घुसे हैं। चोरों ने यहां से 2 हजार नगदी व 6 जूत्ते पार कर दिया है। इस दौरान चोरों ने बड़े ही आराम से दुकान में लगे सोफे पर मनपसंदिदा ब्रांडेड जूते ले गए हैं। जो सीसीटीवी फुटेज में कैद है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

गांधी स्टेडियम में पिछले कुछ दिनों से डे-नाइट मैच चल रहा है। ये चारों दुकानों स्टेडियम से सटा हुआ है। मंगलवार की रात भी लगभग रात दो बजे तक मैच चला। वहीं ये सभी दुकाने कोर्ट के सामने और गांधी चौक से भी लगा हुआ है। जो कि पूरी रात लोगों की आवाजाहि लगी रहती है। इसके बावजूद भी चोरों ने वारदात को अंजाम देकर निकल गए। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर मामल की जांच की। पुलिस ओपियों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वेलकम फुटवियर संचालक उमेश जायसवाल का कहना है कि उक्त दुकान में यह तीसरी पर चोरी की घटना हुई है। इससे पूर्व भी दो बार चोरों ने वारदात को अंजाम दे चुके हैं।

दहेज प्रताड़ना से तंग आकर नव विवाहिता ने की थी आत्महत्या,आरोपी पति गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

दहेज प्रताडऩा से तंग आकर नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मणिपुर पुलिस ने घटना के 26 दिन बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार अक्षय कुमार पासी मणिपुर थाना क्षेत्र के भट्ठापारा का रहने वाला है। इसकी शादी 2 दिसंबर 2024 को झारखंड के गढ़वा निवासी रोशनी पासी से हुई थी। होली का त्योहार मनाने रोशनी अपने पति के साथ मायके गई थी। नव विवाहिता होली का त्योहार मनाकर पति के साथ 19 मार्च को वापस ससुराल लौटी थी। वापस लौटने के एक घंटे के अंदर नव विवाहिता अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए थे। जहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया था। वहीं पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण फांसी से दम घुटने से होना बताया गया है। मणिपुर पुलिस मर्ग कायम कर मामले की विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने मृतका के मायके वालों का बयान लिया। जिसमें पाया गया कि मृतका का पति अक्षय पासी शादी के बाद उसे दहेज को लेकर प्रताड़ित करता था। चार पहिया वाहन खरीदने के लिए 3 लाख रुपए की मांग की जा रही थी। दहेज प्रताडऩा से परेशान रोशनी ने आत्महत्या कर ली थी। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

चरित्र शंका पर पति ने टांगी से हमला कर पत्नी का गर्दन धड़ से किया अलग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के नर्मदापुर में बुधवार की शाम करीब 5 बजे चरित्रशंका पर पति ने टांगी से हमला कर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। उसके सिर को धड़ से अलक कर दिया है। सूचना पर कमलेश्वरपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी पति को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार खेल साय मांझी कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नर्मदापुर का रहने वाला है। वह अपनी पत्नी मुड़ाई मांझी पर चरित्रशंका करता था। चरित्रशंका को लेकर पति-पत्नी के बीच पिछले दो से तीन दिनों से विवाद चल रहा था। इसी बीच बुधवार की शाम पुन- पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। गुस्से में आकर खेल साय माझी ने टांगी से पत्नी के गर्दन पर हमला कर दिया। इससे महिला का गर्दन धड़ से अलग हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर कमलेश्वरपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु 21 अप्रैल से 05 मई तक कर सकते हैं आवेदन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर (शहरी) के परियोजना अधिकारी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंन्द्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के रिक्त पदों हेतु खुली भर्ती हेतु आवेदन पत्र 21 अप्रैल से 05 मई 2025 तक

आमंत्रित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 04 पदों एवं सहायिका के 16 पदों पर भर्ती की जानी है। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हेतु श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 03 आंगनबाड़ी केन्द्र बंगालीपारा उत्तर, पटपरिया वार्ड क्र. 11 आंगनबाड़ी केंन्द्र किसानराईस मिल, डॉ भीमराव अम्बेडकर वार्ड क्र. 45 आंगनबाड़ी केंन्द्र जोड़ा बहेरा एवं संतगहिरा गुरू वार्ड क्र. 46 आंगनबाड़ी केंन्द्र खालपारा में रिक्त पदों पर भर्ती की जानी है।

इसी प्रकार आंगनबाड़ी सहायिका हेतु श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 03 आंगनबाड़ी केंन्द्र बंगालीपारा उत्तर, गोधनपुर वार्ड क्र. 05 आंगनबाड़ी केंन्द्र सिकटापारा, गोधनपुर वार्ड क्र. 05 आंगनबाड़ी केंन्द्र महेश्वर गली, बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्र. 10 आंगनबाड़ी केंन्द्र निचेपारा, पटपरिया वार्ड क्र. 11 आंगनबाड़ी केंन्द्र किसानराईस मिल, नमनाकला वार्ड क्र. 14 आंगनबाड़ी केंन्द्र पानी टंकी के पास, नमनाकला वार्ड क्र. 14 आंगनबाड़ी केंन्द्र नमनाकला, पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्र. 25 आंगनबाड़ी केंन्द्र गुलाब कालोनी, पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्र. 25 आंगनबाड़ी केंन्द्र पंडित पारा, शीतला वार्ड क्र. 32 आंगनबाड़ी केंन्द्र दूर संचार ऑफिस, रामानुज वार्ड क्र. 33 आंगनबाड़ी केंन्द्र केंन्द्रीय जेल परिसर, रामानुज वार्ड क्र. 33 आंगनबाड़ी केंन्द्र जोड़ा तालाब, डॉ भीमराव अम्बेडकर वार्ड क्र. 45 आंगनबाड़ी केंन्द्र जोड़ा बहेरा, संत गहिरा गुरू वार्ड क्र. 46 आंगनबाड़ी केंन्द्र हुण्ड्रालता, संत गहिरा गुरू वार्ड क्र. 46 आंगनबाड़ी केंन्द्र नरवापारा एवं संत गहिरा गुरू वार्ड क्र. 46 आंगनबाड़ी केंन्द्र खालपारा भर्ती की जानी है। जिसकी सूची एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं आयुक्त नगर पालिका निगम अम्बिकापुर के नोटिस बोर्ड में चस्पा कर दी गई है। इस हेतु केवल महिला ही आवेदन कर सकती हैं। वे अपना आवेदन पत्र बाल विकास परियोजना अंबिकापुर (शहरी) में कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय पर जमा अथवा पंजीकृत डाक द्वारा निर्धारित अवधि तक भेज सकते हैं। नियुक्ति की विस्तृत शर्तें एवं अहर्ताओं के सम्बन्ध में परियोजना कार्यालय, नगर पालिका निगम अम्बिकापुर कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती हैं।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर किया गया कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
बलरामपुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज रामानुजगंज में संस्था के प्राचार्य के मार्गदर्शन में प्रेरणास्पद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. अंबेडकर के अमूल्य योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की छायाचित्र दीप प्रज्वलन एवं बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष तथा संविधान निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विचार प्रस्तुत किए गए। छात्रों के भाषणों ने डॉ. अंबेडकर के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में कविता पाठ और रचनात्मक पोस्टर प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहे। इस आयोजन का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी एवं स्वयंसेवकों के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को जीवन में उतारने तथा शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाने की प्रेरणा दी गई।

CMYK

AMBIKAPUR GG PAPER 17 APRIL 2025_Layout 2 4/17/2025 3:53 AM Page 4

सड़क से ज्यादा डैशबोर्ड देखने को मजबूर ड्राइवर

क्या बदलेगा नियम ?

कारों में फिर से फिजिकल बटन ला रही हैं कंपनियां

कारों में टच स्क्रीन होने की वजह से बढ़ रहे हादसे

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2025। आज के समय में हर चीज में एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हो रहा है, जिससे लोगों को ज्यादा सुविधा मिल रही है। लेकिन नई कारों में जिस हिसाब से डैशबोर्ड पर टच स्क्रीन लगाई जा रही है, ये ड्राइवरों के लिए परेशानी का कारण भी बन रही है। नई कारों में भले ही एडवांस सेफ्टी और इन्फोटेनमेंट फीचर्स डाले जा रहे हैं,लेकिन टच स्क्रीन की मदद से कार के फीचर्स को कंट्रोल करना ड्राइवर के लिए आसान नहीं है। इन स्क्रीन्स की वजह से ड्राइवर की नजर सड़क से ज्यादा डैशबोर्ड पर होती है,जिससे दुर्घटना भी हो सकती है। पहले जो काम बटनों से चंद सेकेंड में हो जाता था, उससे ज्यादा समय अब स्क्रीन पर मेन्यू खोजने और फोकस करने में लग जाता है। इससे ड्राइविंग मुश्किल हो रही है, साथ ही हादसों का जोखिम भी बढ़ रहा है।

ब्रिटेन की मोटरिंग मैगजीन की स्टडी में क्या पाया गया ?

ब्रिटेन की वीकली मोटरिंग मैगजीन ऑटो एक्सप्रेस की स्टडी में 10 लोकप्रिय के टच स्क्रीन सिस्टम की टेस्टिंग की गई...

ड्राइवर्स को पांच सामान्य टास्क जैसे नेविगेशन सेट करना, रेडियो ट्यून करना और हीटेड सीट ऑन करना का टास्क दिया गया था...

स्टडी में स्कोडा, मर्सिडीज और मिनी जैसी कंपनियों के सिस्टम सबसे आसान और कम समय में ऑपरेट होने वाले मिले

जेनेसिस,प्यूजो और फोर्ड जैसी कंपनियां इस टास्क में पीछे रह गई

स्कोडा के ड्राइवर ने 4.8 सेकंड में ये काम कर लिया, जबकि जेनेसिस के ड्राइवर को 13.6 सेकंड लगे

साल 2026 से ब्रिटेन में बदलेगा सेफ्टी नियम

जिस प्रकार से जटिल सिस्टम गाड़ियों में डाले जा रहा हैं,इससे ड्राइवरों की नाराजगी बढ़ रही है और इस कारण से कारों की बिक्री पर भी असर पड़ सकता है। ड्राइवर मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी पर काम करने वाली कंपनी सीइंग मशीन्स के चीफ सेफ्टी ऑफिसर डॉ. माइक लेने ने कहा कि 'ह्यूमन फैक्टर डिजाइन' ड्राइवरों की जरूरतों को समझकर टेक्नीक को सहज बनाता है। उन्होंने कहा कि स्कोडा ने इसे अपनाया और अपनी स्मार्ट डाइल्स के साथ फिजिकल बटनों को भी गाड़ियों में डाला है। माइक ने चेतावनी देते हुए कहा कि खराब डिजाइन ड्राइवरों की मंजूरी वाले टेस्ट में फेल हो रहे हैं।

2026 से यूरोप में बदलेगा सेफ्टी नियम

बता दें, साल 2026 से यूरोप की कार सेफ्टी एजेंसी (यूरोपियन न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) नए सेफ्टी प्रोटोकॉल लागू करेगी। इस प्रोटोकॉल के तहत गाड़ियों में हॉर्न, वाइपर या इंडिकेटर के लिए फिजिकल बटन नहीं होंगे, तो उन्हें कम सेफ्टी स्कोर मिलेगा। जगुआर लैंड रोवर में 'ह्यूमन मशीन इंटरफेस' के एक्सपर्ट डॉ. ली स्क्राइपचुक ने कहा कि टेक्निक का मकसद ड्राइविंग को बेहतर बनाना है,न कि ड्राइवर को थकाना।

बड़ी-बड़ी कंपनियां वापस डाल रही फिजिकल बटन

ऑटो एक्सप्रेस के संपादक पॉल बर्कर ने कहा,एक स्क्रीन में सारे कंट्रोल्स डालकर कंपनियां डिजाइन और प्रोडक्शन में पैसे बचाती हैं। अब फिडबैक के बाद फॉक्सवैगन जैसी कंपनियां फिर से फिजिकल बटन ला रही है। इन बदलावों को देखते हुए ऐसा माना जा सकता है कि कंपनियों को यह समझ आ रहा है कि ड्राइवर की संतुष्टि और सुरक्षा के बिना कोई भी टेक्निक लंबी नहीं टिक सकती है। टच स्क्रीन अपनी जगह ठीक है,लेकिन अब समय आ गया है कि कंपनियां संतुलित, आसान और सेफ डिजाइन की ओर लौट जाए।

अमेरिका का चीन पर कड़ा प्रहार,टैरिफ में भारी वृद्धि कर 245 प्रतिशत किया,वजह भी बताई

न्यूयॉर्क,16 अप्रैल 2025। अमेरिका ने चीन से आयातित वस्तुओं पर लगने वाले टैरिफ में भारी वृद्धि करते हुए इसे 245 प्रतिशत कर दिया है। यह कदम चीन द्वारा जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने आयात पर शुल्क 125 प्रतिशत तक बढ़ाने के बाद उठाया गया है। पहले अमेरिका द्वारा चीनी सामान पर 145 प्रतिशत शुल्क लगाया जा रहा था,लेकिन अब इसमें एक साथ 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

अमेरिका का यह फैसला काफी सख्त माना जा रहा है, खासकर तब जब उसने भारत समेत कई अन्य देशों पर लगाए गए शुल्क को 90 दिनों के लिए रोक दिया है। माना जा रहा है कि इस अवधि में अमेरिका इन देशों के साथ व्यापार समझौते कर सकता है। भारत और अमेरिका के बीच तो बैकचैनल से व्यापार समझौते पर बातचीत भी शुरू हो गई है और संभावना है कि इसके लिए मई से बैठकों का दौर भी शुरू हो सकता है।

चीन के प्रति अमेरिका का रुख स्पष्ट है कि वह शुल्क का जवाब शुल्क से देगा और चीन को अपनी गलती माननी चाहिए। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि अमेरिका दूसरे देशों के सामान पर कम कर लगाता है, जबकि चीन और भारत जैसे कई देश उसके निर्यात पर भारी कर वसूलते हैं। इसी के जवाब में अमेरिका ने यह व्यापार युद्ध शुरू किया है।

व्हाइट हाउस का कहना है कि चीन का रवैया अड़ियल है, जबकि दुनिया के लगभग 75 देशों ने व्यापार समझौते के लिए उससे संपर्क किया है। इसी कारण अमेरिका ने कई देशों पर शुल्क को 90 दिनों के लिए टाल दिया है, ताकि इस दौरान किसी सहमति पर पहुंचा जा सके। इस अवधि में केवल 10 प्रतिशत का सामान्य शुल्क ही लागू रहेगा। गौरतलब है कि अमेरिका ने भारत पर भी 26 प्रतिशत शुल्क लगाया था, जिसे फिलहाल रोक दिया गया है। इसी का सकारात्मक असर भारतीय शेयर बाजार पर देखने को मिल रहा है और कई दिनों की गिरावट के बाद अब तेजी का रुख है।

पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को भ्रष्टाचार के मामले में 15 साल की सजा

लीमा,16 अप्रैल 2025। पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति ओलांटा हुमाला और उनकी पत्नी नादिन हेरेडिया को धन शोधन का दोषी पाते हुए 15 साल जेल की सजा सुनाई है।

जज नायको कोरोनाडो की अध्यक्षता वाली थर्ड नेशनल कोलीजिएट क्रिमिनल कोर्ट ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। अन्य न्यायाधीशों ने फैसले का समर्थन किया। अदालत ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी ने लगभग नौ महीने पूर्व-ट्रायल हिरासत (ट्रायल से पहले की गिरफ्तारी) में बिताए हैं, उन्हें सजा की अवधि में शामिल माना जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी पर आरोप है कि ब्राज़ील की निर्माण कंपनी ओडेब्रेच ने 2006 से 2011 के बीच नेशनलिस्ट पार्टी को चुनावी अभियान के लिए उन्हें अवैध रूप से धन मुहैया कराया था।

अफगानिस्तान : भूकंप के झटकों से हिला हिंदुकुश क्षेत्र,रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.9 मापी गई

काबुल,16 अप्रैल 2025। अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है।

एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,बुधवार तड़के स्थानीय समयानुसार 4:43 बजे अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है। भूकंप का केंद्र 35.83 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.60 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 75 किलोमीटर की गहराई पर था। अभी तक किसी के हताहत होने या इमारतों को नुकसान की कोई तत्काल खबर नहीं है, लेकिन अधिकारी और मानवीय एजेंसियां स्थिति पर करीब से नजर रख रही हैं।

हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला (जो उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में फैली है) यह अत्यधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां जटिल टेक्टोनिक संरचना के कारण भूकंप बार-बार आते हैं।

अफगानिस्तान भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच टकराव वाले क्षेत्र में स्थित है,जो इसे विशेष रूप से भूकंपीय गतिविधि के लिए संवेदनशील बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (यू एन ओ सी एच ए) ने देश की प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता को दोहराया, और कहा कि बार-बार आने वाले भूकंप उन समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं, जो पहले से ही दशकों के संघर्ष और पुराने अविकास से कमजोर हो चुके हैं। रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान में विशेष रूप से हिंदुकुश जैसे भूगर्भीय रूप से अस्थिर क्षेत्रों में हर साल शक्तिशाली भूकंप आते हैं। पश्चिमी प्रांत हेरात भी एक महत्वपूर्ण फॉल्ट लाइन पर स्थित है, जो देश के भूकंपीय जोखिम को और बढ़ाता है।

अक्टूबर 2023 में, 6.3 तीव्रता सहित कई शक्तिशाली भूकंपों ने पश्चिमी अफगानिस्तान, विशेष रूप से हेरात को तबाह कर दिया था, जिसमें 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग विस्थापित हुए थे। उस त्रासदी ने क्षेत्र में आपदा प्रतिक्रिया प्रणालियों को मजबूत करने और दीर्घकालिक लचीलापन योजना की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया था।

हमास के नियंत्रण को कमजोर करने के लिए गाजा में रोकी मानवीय सहायता : इजरायली रक्षा मंत्री

यरूशलम,16 अप्रैल 2025। इजरायली रक्षा मंत्री ने बुधवार को कहा कि गाजा की आबादी पर हमास के नियंत्रण को कमजोर करने के लिए वहां मानवीय सहायता रोकने की नीति अपनाई गई है। इजरायल काट्ज ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के साथ गाजा के दौरे के एक दिन बाद यह बयान दिया। कैट्ज ने कहा, इजरायल की नीति स्पष्ट है-कोई भी मानवीय सहायता गाजा में प्रवेश नहीं करने वाली। उन्होंने कहा, मौजूदा हालात में कोई भी गाजा में मानवीय सहायता लाने की तैयारी नहीं कर रहा है और न ही ऐसा करने का इरादा रखता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 2 मार्च को इजरायल ने गाजा में भोजन, पानी, दवा, ईंधन और अन्य आपूर्ति के प्रवेश पर रोक को फिर से लगा दी। नेतन्याहू ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य हमास पर युद्ध विराम और बंधक-मुक्ति समझौते के पहले चरण को बढ़ाने के लिए दबाव डालना था। काट्ज के अनुसार, सहायता रोक दी गई ताकि आबादी पर हमास के नियंत्रण को कमजोर किया जा सके और हमास की भागीदारी के बिना निजी कंपनियों के जरिए भविष्य में (सहायता) वितरण के लिए आधार तैयार किया जा सके। ऑपरेशन के अगले चरणों की तैयारी करते हुए काट्ज ने कहा कि इजरायली सेना हमास के उग्रवादियों और बुनियादी ढांचे पर लगातार हमला कर रही है। मंत्री के अनुसार, सेना अपने कब्जे वाले क्षेत्रों से पीछे नहीं हटेगी और गाजा में निर्दिष्ट सुरक्षा क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बनाए रखेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हमास बंधक सौदे के लिए इजरायल की शर्तों को अस्वीकार करना जारी रखता है, तो ऑपरेशन का विस्तार होगा और अगले चरणों में आगे बढ़ेगा। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायली हमलों में एन्क्लेव में 51,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

बांग्लादेश का बड़ा फैसला:भारत से धागे के आयात पर लगा दी रोक

ढाका,16 अप्रैल 2025। बांग्लादेश के नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एनबीआर) ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए भारत से धागे (सूत) के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस नए नियम के तहत बेनापोल, भोमरा, सोनामस्जिद, बंगलाबंधा और बुरिमारी जैसे प्रमुख भूमि बंदरगाहों के माध्यम से अब धागे का आयात नहीं किया जा सकेगा। यह कदम बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (बीटीएमए) द्वारा की गई शिकायतों के बाद उठाया गया है। बीटीएमए ने दावा किया था कि भारत से सस्ते सूत के आयात के कारण स्थानीय कपड़ा उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है। बीटीएमए के अनुसार, भारत से जमीनी रास्ते से आयातित सूत की कीमत समुद्री मार्ग से आने वाले सूत की तुलना में काफी कम है, जिसके चलते स्थानीय मिलों को बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में कठिनाई हो रही है। उदाहरण के तौर पर,बांग्लादेश में 30 सिंगल सूत की कीमत 3.40 डॉलर प्रति किलोग्राम है, जबकि भारत में यह 2.90 डॉलर और वियतनाम में 2.96 डॉलर प्रति किलोग्राम है। इसके अतिरिक्त, बीटीएमए ने यह भी आरोप लगाया कि भूमि मार्ग के बंदरगाहों पर पर्याप्त बुनियादी ढांचे और जांच सुविधाओं की कमी के कारण आयातक गलत घोषणाएं करके टैक्स चोरी कर रहे हैं। हालांकि, बांग्लादेश के गारमेंट निर्यातकों ने इस निर्णय को आत्मघाती बताया है। बांग्लादेश निटवेयर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (बीकेएमईए) के अध्यक्ष मोहम्मद हातेम ने कहा कि यह कदम तैयार कपड़ों के निर्यातकों के लिए लागत बढ़ा देगा और छोटे-मध्यम उद्यमों (एसएमबी) के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा और भी मुश्किल हो जाएगी। गौरतलब है कि बांग्लादेश का गारमेंट उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और यह भारत से लगभग 95त्न सूत आयात पर निर्भर करता है। वर्ष 2024 में बांग्लादेश ने 1.25 मिलियन मीट्रिक टन सूत का आयात किया था, जो 2023 की तुलना में 31.5त्न अधिक था।

पाकिस्तान में इजरायल विरोधी प्रदर्शन के दौरान केएफसी कर्मचारी की गोली मारकर हत्या

लाहौर,16 अप्रैल 2025। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में इजरायल विरोधी प्रदर्शन के दौरान अमेरिकी फास्ट-फूड चेन केएफसी के एक कर्मचारी की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना प्रांतीय राजधानी लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखपुरा में घटी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि, 15 अप्रैल को सुबह-सुबह बड़ी संख्या में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं ने आउटलेट पर धावा बोल दिया।

हमलावरों ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ करते हुए स्टाफ के सदस्यों पर गोलियां चलाईं। आसिफ नवाज नाम के एक कर्मचारी को गोली मार दी गई,जबकि अन्य भागने में सफल रहे। 45 वर्षीय नवाज को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

एक अधिकारी ने बताया, पुलिस जब मौके पर पहुंची तो बदमाश भाग चुके थे। उन्होंने बताया कि तीन दर्जन से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और जांच जारी है। एक दिन पहले ही टीएलपी समर्थकों ने रावलपिंडी में केएफसी आउटलेट को निशाना बनाया था और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था। पिछले सप्ताह कराची और लाहौर में भी इसी तरह के हमले हुए थे, जहां केएफसी आउटलेट के कुछ हिस्सों में आग लगा दी गई। पंजाब पुलिस ने इन घटनाओं के सिलसिले में टीएलपी के 17 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि पाकिस्तानी सरकार और सुरक्षा एजेंसियां धार्मिक विरोध की आड़ में विदेशी फास्ट-फूड चेन के खिलाफ टीएलपी के नेतृत्व में हिंसा की लहर के सामने लाचार हैं। इस महीने की शुरुआत में (7 अप्रैल को) बांग्लादेश में भी इजरायली विरोधी प्रदर्शनों के दौरान भारी हिंसा देखी गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार,भीड़ ने गाजा पर इजरायली हमलों के विरोध में बोगरा,सिलहट,कॉक्स बाजार और अन्य जिलों में तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारियों ने बाटा, केएफसी और पिज्जा हट जैसे इजरायली-संबंधित व्यवसायों को निशाना बनाया। उन्होंने कुछ उत्पादों के बहिष्कार की भी मांग की।

स्कूल शिक्षा विधेयक का मुद्दा, प्रदर्शनकारी शिक्षकों की मांगों पर विचार के लिए बुलाया गया संसद सत्र

काठमांडू,16 अप्रैल 2025। नेपाल सरकार ने देश में प्रदर्शनकारी शिक्षकों की मांग को पूरा करने और स्कूल शिक्षा विधेयक पारित करने के लिए 25 अप्रैल को संसद का सत्र बुलाया है। स्कूल शिक्षा अधिनियम को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर शिक्षकों की देशव्यापी हड़ताल के साथ ही विरोध प्रदर्शन तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। शिक्षण पेशे का सम्मान करें और शिक्षा अधिनियम को तुरंत लागू करें जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर शिक्षकों ने सड़क पर अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया। मंगलवार को नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सरकार की सिफारिश पर स्कूल शिक्षा विधेयक को मंजूरी दिए बिना ही संघीय संसद सत्र को स्थगित कर दिया, जो डेढ़ साल से सदन की समिति में लंबित था। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि देश भर से शिक्षक काठमांडू में स्कूल शिक्षा अधिनियम को लागू करने की मांग को लेकर इक्ट्ठा हुए,जो सरकार की पिछली प्रतिबद्धताओं के बावजूद संसद में लंबित पड़ा हुआ है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल की शिक्षा मंत्री बिद्या भट्टाराई ने कहा कि मंगलवार शाम को हुई कैबिनेट बैठक में विधेयक के पारित होने में समन्वय के लिए 25 अप्रैल को सदन का सत्र बुलाने का फैसला किया गया। शिक्षा मंत्रालय और शिक्षकों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत के बाद कोई महत्वपूर्ण सफलता नहीं मिलने के बाद यह फैसला लिया गया। नेपाल शिक्षक संघ की संयुक्त अध्यक्ष नानू माया परजुली ने कहा,यदि प्रधानमंत्री, नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष,सीपीएन (माओवादी केंद्र) अध्यक्ष और स्पीकर चाहें तो स्कूल शिक्षा विधेयक को बिना किसी देरी के मंजूरी दी जा सकती है। हम बस इतना चाहते हैं कि हमारी मांगों को शामिल करते हुए अधिनियम बनाया जाए।

C M Y K

AMBIKAPUR GG PAPER 17 APRIL 2025_Layout 2 4/17/2025 3:53 AM Page 5

अपनी गलतियों को छिपाने के लिए पत्रकार को रिश्वत के मामले में फंसाने वाली प्रधानपाठिका,सहायक शिक्षिका हुई निलबित

जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर-रामानुजगंज की बड़ी कार्यवाही,नियम विरुद्ध तरीके से परीक्षा दिलाने वाली प्रधान पाठिका,सहायक शिक्षिका पर की गई निलंबन की कार्यवाही

पुलिस वाले से मिलकर प्रधान पाठिका व सहायक शिक्षिका ने पत्रकार को फंसाया था रिश्वत मांगने के मामले में...

दैनिक घटती-घटना की शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी ने की थी जांच टीम गठित,जांच टीम में दोषी पाए जाने के बाद दोनों पर हुई निलंबन की कार्यवाही

खबर का असर...

ये सिद्ध हुआ कि मामले में एफआईआर दर्ज करने के षड्यंत्र में टीआई कुमार चंदन सिंह भी थे शामिल?

क्या है पूरा मामला

पत्रकार को प्रधान पाठक पर शिक्षिका की करतूत का पर्दाफाश करने का प्रयास पड़ा महंगा,प्रधान पाठक व शिक्षिका अपने आप को बचाने के लिए पत्रकार के पास रिश्वत की रखी बात ताकि मामले का हो सके पटाक्षेप,जब मामले का पटाक्षेप की बनी स्थित उसके बाद रिश्वत के ही मामले में पत्रकार को फसाया,रिश्वत दिया नहीं पर मांगने का आरोप लगाकर थाने में की शिकायत और शिक्षकों को ही बनाया गवाह,पत्रकार से भी दो कदम आगे निकली प्रधान पाठक व शिक्षिका आखिर उनके द्वारा जो नियम विरुद्ध तरीके से परीक्षा ली जा रही थी अब उसे पर कार्रवाई कौन करेगा? क्या इस पर जांच होगी जो मुद्दा पत्रकार को उजागर करना चाह रहा था वह मुद्दा रिश्वत की शिकायत भटका दिया गया और पत्रकार को उस मामले में उलझा दिया गया। पत्रकार को जानकारी मिली थी कि बलरामपुर जिले के प्राथमिक शाला उधेनुपारा संकुल करजी विकासखंड राजपुर में बोर्ड परीक्षा संचालित हो रही है छत्तीसगढ़ सरकार ने पांचवीं व आठवीं की भी बोर्ड परीक्षा कर दी है, राज्य सरकार बच्चों की शिक्षा को बेहतर करने के लिए ऐसा निर्णय ली है पर स्थानीय प्रशासन व जिला शिक्षा अधिकारी की उदासीनता से यह बोर्ड परीक्षा भी प्रभावित होती देखी गई,पत्रकार को सूत्रों जानकारी मिली थी कि पांचवीं बोर्ड परीक्षा में एक छात्रा अनुपस्थित है वह अपने किसी रिश्तेदार के यहां गई हुई है शत-प्रतिशत परिणाम दिखाने के लिए उस स्कूल के प्रधान पाठक ने अपने स्कूल की एक चौथी कक्षा के छात्रा को अनुपस्थित छात्रा की जगह बैठाकर परीक्षा दिलवा रहे है जो नियम के विरुद्ध था,इस पर पत्रकार 27 मार्च को इसकी पड़ताल करने उस स्कूल पहुंचा जहां पर उसने पाया कि सही में ऐसा हो रहा है, आपको बता दे की मेनका,एक प्रसिद्ध पात्र है जो स्वर्ग की सुंदर अप्सराओं में से एक मानी जाती है, जिसने ऋषि विश्वामित्र की तपस्या भंग की थी ठीक उसी तरह यहां की शिक्षिका भी पत्रकार की तपस्या भंग कर दी और उसे अपने रिश्वत के जाल में फंसा लिया और पत्रकार भी उनके रिश्वत के जाल में फंसकर उस महत्वपूर्ण खबर से भटक गया, जो वह के प्रधान पाठक व सहायक शिक्षक द्वारा किया जा रहा गलत कृत्य था,पत्रकार की गलती बस इतनी थी की जो जानकारी उसे मिली थी उसे उजागर करने चला गया और उनके बिछाए जाल में फंस गया, पत्रकार पर तो पुलिस ने आनन फानन में कार्यवाही कर दिया पर वह प्रधान पाठक व सहायक शिक्षक से यह नही पूछे की आप ने ऐसी कौन सी बड़ी गलती किए है जो आप को रिश्वत देने की जरुरत पड़ी? पर उस स्कूल के प्रधान पाठक व सहायक शिक्षक पर कार्यवाही कौन करेगा? जो शासन के नियमों के विरुद्ध अनुपस्थित छात्र की जगह दूसरे कक्ष की छात्रा से बोर्ड परीक्षा दिलवा रहे थे, जबकि उसे स्कूल के पास में कक्षा के दर्ज संख्या 3 की, जिसमें एक छात्र और दो छात्रा थी,एक अनुपस्थित थी जिसे उपस्थित दिखाकर दूसरे कक्ष के अपने स्कूल के छात्र से बोर्ड परीक्षा दिला गया,जिसका वीडियो भी उस पत्रकार ने बना लिया था,जो आज भी मौजूद है इन प्रधान पाठक व सहायक शिक्षक पर कार्यवाही के लिए क्या शिक्षा मंत्री को आना पड़ेगा? या फिर उस जिले के शिक्षा अधिकारी कार्यवाही कर पाएंगे या फिर शिक्षा अधिकारी के सह पर ही ऐसा हो रहा था?

-सुदामा राजवाड़े-
बलरामपुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

पांचवीं बोर्ड परीक्षा के दौरान अनुपस्थित छात्रा की जगह चौथी कक्षा की छात्रा से परीक्षा दिलवाने के मामले में दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र में बड़ी प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित की गई थी,जिला कलेक्टर के निर्देश पर बलरामपुर जिला शिक्षा अधिकारी ने संज्ञान लेते हुए बड़ी कार्यवाही की है,बलरामपुर रामानुजगंज जिले के प्रतापपुर ब्लॉक के करजी संकुल के अंतर्गत उधेनपुर प्राथमिक शाल प्रधान पाठिका व सहायक शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है,उन्हें इस मामले में दोषी पाया गया वह भी जांच उपरांत, इस कार्यवाही को अब तक की बड़ी कार्यवाही माना जा रहा है, जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर रामानुजगंज ने इस गलती को गंभीर मानते हुए तत्काल प्रधान पाठिका और सहायक शिक्षिका पर निलंबन की कार्यवाही की है। ऐसा सिर्फ दैनिक घटती घटना खबर के बाद ही हुआ है यह खबर का बड़ा असर है।

ज्ञात हो की पांचवीं बोर्ड की परीक्षा मार्च महीने में चल रही थी इस दौरान बलरामपुर जिले के राजपुर ब्लॉक के करजी संकुल के अंतर्गत उधेनुपारा प्राथमिक शाला की प्रधान पाठिका प्रमिला तिग्गा और सहायक शिक्षिका नीलू केरकेटा नियम विरुद्ध तरीके से एक अनुपस्थित छात्रा की जगह उसी स्कूल के चौथी कक्षा की छात्रा से परीक्षा दिलाया जा रहा था जिसकी पड़ताल करने पहुंचे पत्रकार को भी रिश्वत मांगने के झूठे आरोप में पुलिस वाले से मिली भगत करके उसे फंसा दिया गया था और इस मामले में पर्दा डालने का प्रयास किया जा रहा था इसके बाद दैनिक घटती-घटना ने इस खबर को बड़ी प्रमुखता के साथ प्रकाशित करते हुए पूरे मामले को संज्ञान में लाया था और पत्रकार को भी झूठे रिश्वत के मामले में फसाने की खबर प्रकाशित की थी और अंततः वह बात भी सत्य हुई जांच में खबर सही पाई गई जिसके बाद बलरामपुर रामानुजगंज जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा स्कूल के प्रधान पाठिका प्रतिमा तिग्गा व नीलू केरकेट्टा सहायक शिक्षिका को दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया गया। पूरे मामले में जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर रामानुजगंज ने खबर से मामले का संज्ञान लिया और जांच टीम गठित कर मामले की जांच कराई वहीं मामले में दैनिक घटती-घटना के पत्रकार की खबर सही पाई गई और दूसरी छात्रा की जगह दूसरी छात्रा परीक्षा देती पाई गई। वैसे पूरे मामले में पत्रकार को झूठे लेनदेन के मामले में फंसाने की कवायद करने वाली प्रधान पाठिका और सहायक शिक्षिका का पोल अब खुल गया...पत्रकार निर्दोष साबित हुआ...वहीं इस मामले राजपुर पुलिस भी कहीं न कहीं गलत साबित हुई और एक पत्रकार को बेवजह कानूनी कार्यवाही में फंसाने उसने षडयंत्र में सहयोग किया जान पड़ता है।

पत्रकार कहीं पर्दाफाश न करदे मामले का...इसलिए पत्रकार को रिश्वत के मामले में फंसाया गया

मामले में जिस पत्रकार ने विद्यालय पहुंचकर वीडियो बनाया उसे रिश्वत मामले में फंसाया गया। अब यह कहना गलत नहीं होगा कि पत्रकार मामले का पर्दाफाश न करदे इसलिए उसे रिश्वत मामले में फंसाया गया। पत्रकार ने मामले का वीडियो बनाया था और स्कूल पहुंचकर कक्षा में दूसरी छात्रा की जगह दूसरी छात्रा को परीक्षा देते पकड़ा और उसका वीडियो बनाया बयान लिया। जब पत्रकार ने बयान ले लिया और वीडियो बना लिया तब उसे बिना अनुमति के पहुंचना स्कूल में कहकर और रिश्वत मांगने के आरोप में पुलिस के हवाले किया गया। अब जब प्रधान पाठिका और सहायक शिक्षिका दोषी पाई गई है तब यह कहना कि पत्रकार को फंसाया गया यह कहना भी गलत नहीं होगा।

राजपुर पुलिस ने पत्रकार के विरुद्ध शिकायत पर निष्पक्षता के साथ जांच क्यों नहीं की?

बता दें कि पूरे मामले में पत्रकार पर बिना अनुमति विद्यालय में पहुंचने की कार्यवाही की गई जबकि वह पहुंचा तभी मामले का खुलासा हुआ, कुल मिलाकर देखा जाए तो राजपुर पुलिस ने पत्रकार के विरुद्ध शिकायत की जांच केवल इसलिए नहीं की क्योंकि बात निष्पक्षता की थी जो उन्हें कहीं न कहीं पसंद नहीं आई और उन्होंने केवल सूचना पर कार्यवाही कर दी जबकि जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर रामानुजगंज ने दैनिक घटती-घटना की खबर से संज्ञान लिया और दोषी पाए जाने पर प्रधान पाठिका और सहायक शिक्षिका पर कार्यवाही किया। जिला शिक्षा अधिकारी की कार्यवाही कबीले तारीफ है।

राजपुर थाना प्रभारी क्या प्रधान पाठिका व सहायक शिक्षिका के प्रभाव में थे जिस वजह से पत्रकार पर उन्होंने अपराध दर्ज किया?

वैसे प्रधान पाठिका और सहायक शिक्षिका दोनों विभागीय जांच में दोषी पाए गए और अब यह तय हो गया कि पत्रकार जिसके ऊपर प्रधान पाठिका और सहायक शिक्षिका ने आरोप लगाया था वह सही था उसकी खबर और उसकी पड़ताल सही थी,अब क्या यह कहना सही होगा कि थाना प्रभारी राजपुर प्रधान पाठिका और सहायक शिक्षिका के प्रभाव में थे इसलिए उन्होंने बिना जांच किए पत्रकार पर अपराध दर्ज किया। कुल मिलाकर थाना प्रभारी की कार्यवाही दोषपूर्ण थी यह कहना सही होगा।

कांग्रेस व एनएसयुआई ने ईडी के खिलाफ किया सांकेतिक धरना प्रदर्शन

-संवाददाता-
सूरजपुर 16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

भाजपा की साज़िश व दबाव में आकर ईडी द्वारा कांग्रेस के आधार स्तंभ सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही एवं चार्जशीट दायर करने के मामले को लेकर सूरजपुर में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भगवती राजवाड़े एवं एनएसयुआई ज़िलाध्यक्ष आकाश साहू द्वारा केन्द्रीय कार्यालय रेल्वे टिकट काउंटर के सामने सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया व जमकर नारेबाज़ी कर विरोध जताया गया बताया गया कि भाजपा के दबाव में आकर श्रेष्ठ द्वारा सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई और चार्जशीट दायर करने की जितनी निंदा की जाए कम है गांधी परिवार ने सदा देशहित में कार्य किए हैं कुंठित मानसिकता से भरी भाजपा गांधी परिवार के त्याग,संघर्ष और ईमानदारी को दरकिनार कर उनके खिलाफ झूठे षडयंत्र रच रही है सच तो ये है कि भाजपा सच की आवाज़ को दबाना चाहती है इसलिए बदले की भावना लेकर सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है कांग्रेस का कार्यकर्ता भाजपा के इस षड्यंत्र से डरने वाला नहीं है इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े,जिला कांग्रेस सचिव विष्णु कसेरा,मधु साहू,सैयद नदीम,मुस्तफा खान,विजय ठाकुर,रेहान,सैयद नदीम,देवती राजवाड़े,बिंदिया राजवाड़े,सविता,बाबी,सीता देवी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे..

बलरामपुर में नशीले इंजेक्शन के साथ युवक-युवती गिरफ्तार

-संवाददाता-
बलरामपुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

जिले की राजपुर पुलिस ने दो मामलों में झारखंड से नशीले इंजेक्शन लेकर आए एक युवती और एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई युवती लंबे समय से नशीले इंजेक्शन लाकर छत्तीसगढ़ में बेचती थी। पुलिस ने उनके पास से कुल 922 नशीले इंजेक्शन जब्त किया है, जिसकी कीमत ढाई लाख रुपए बताई गई है। दोनों के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट की कार्रवाई की है। बलरामपुर पुलिस ने मुखबिर से सूचना पर झारखंड से नशीले इंजेक्शन लेकर पहुंचे ग्राम कर्रा निवासी सुनील जायसवाल (45) को नशीले इंजेक्शन के साथ पकड़ा है। राजपुर थाना प्रभारी कुमार चंदन सिंह ने बताया कि पुलिस ने झारखंड से अंबिकापुर जा रही बस से राजपुर में उतरे सुनील जायसवाल को हिरासत में लेकर जांच की तो उसके पास 200 नशीली इंजेक्शन, 122 एविल इंजेक्शन बरामद किया गया।

युवती भी नशीले इंजेक्शन के साथ पकड़ाई

राजपुर पुलिस ने डिंगो में मिशन स्कूल के पास मंगलवार शाम बस से उतरी युवती मानपति कुमारी खैरबार को हिरासत में लिया। उसके बैग की जांच करने पर उसके पास से 300 नशीले इंजेक्शन व 300 एविल इंजेक्शन बरामद किया गया है। उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जब्त नशीले इंजेक्शनों की कुल कीमत ढाई लाख रुपए है।

झारखंड से नशीले दवाओं की तस्करी

राजपुर पुलिस ने पुलिस दोनों मामलों में आरोपियों के विरुद्ध धारा 22 सी एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है। पकड़ी गई युवती ने बताया कि वह पहले भी नशीले इंजेक्शन सरगुजा संभाग में खपा चुकी है। बलरामपुर और सरगुजा जिले में नशीले इंजेक्शन की तस्करी झारखंड से की जाती है। बड़ी मात्रा में झारखंड से नशीली दवाएं सरगुजा और बलरामपुर सहित अन्य जिलों में पहुंचती हैं। इसके पूर्व भी की गई कार्रवाइयों में नशीले इंजेक्शन तस्करों ने झारखंड से लाना बताया है।

सहकारी समितियों से आवेदन आमंत्रित,अंतिम तिथि 23 तक

-संवाददाता-
एमसीबी,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में कृषि विभाग द्वारा वैल्यू चेन पार्टनर के रूप में कार्य करने के लिए योग्य किसान उत्पादक संगठनों और सहकारी समितियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अपना आवेदन समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित 23 तक भेज सकते हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0

रा.प्र.क्र./.....अ- 6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रितमभरा सिंह आ.श्री लखन सिंह, निवासी वार्ड नं. 16, नवापारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा, के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका की माता स्व. श्रीमती मंजू सिंह के स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि, मोहल्ला-नावापारा स्थित प्लॉट नं. 2/1 रकबा 206.42 वर्गमीटर भूमि है। भूधारक मंजू सिंह की मृत्यु दिनांक 04.02.2025 को हो गयी है। अतः भूधारक की मृत्यु हो जाने के कारण आवेदिका द्वारा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख भूधारक श्रीमती मंजू सिंह का नाम विलोपित कराते हुये स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु भूधारक की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदिन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हा तो वे अपना लिखित दावा /आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/04/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 2/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202504020700010

विषयःअ 6 अ मामले की श्रेणी राजस्व सन् 2024-2025
अम्बिकापुर प.ह.नं 00024(हे.)
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-अशोक सिंह
अनावेदक पक्षकार- छ.ग.शासन
::-ईश्तहार::-

आवेदक अशोक सिंह पिता ठुठुर निवासी ग्राम केशवपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं अधिपत्य की ग्राम केशवपुर स्थित खसरा नंबर 58/2,65/2,65/3,86/3 रकबा क्रमशः0.036, 0.004, 0.081, 0.230 हे. भूमि के राजस्व अभिलेख में आवेदक का नाम त्रुटिवश कपूर पिता ठुठुर अंकित हो गया है जबकि आवेदक का वास्तविक नाम अशोक सिंह पिता ठुठुर है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किए जाने हेतु निवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/04/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/04/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार तहसील अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202504020700146

विषयःब 121 मामले की श्रेणी राजस्व सन् 2024-2025
अम्बिकापुर प.ह.नं 00015(हे.)
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-राजकुमार अग्रवाल
अनावेदक पक्षकार- छ.ग.शासन
::-ईश्तहार::-

आवेदक राजकुमार अग्रवाल आ0 स्व. परसराम अग्रवाल अन्य निवासी ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 71/38,72/38,73/17 रकबा 0.003,0.016,0.008 हे. भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/05/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/04/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार तहसील अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202504020700147

विषयःब 121 मामले की श्रेणी राजस्व सन् 2024-2025
अम्बिकापुर प.ह.नं 00015(हे.)
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-विजय देवी
अनावेदक पक्षकार- छ.ग.शासन
::-ईश्तहार::-

आवेदक विजय देवी पुत्री स्व. जगरनाथ व अन्य निवासी ग्राम चोपड़ापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 73/17,72/39,71/39 रकबा 0.008,0.015,0.003 हे. भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/05/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/04/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार तहसील अम्बिकापुर

कलेक्टर ने कृषि विज्ञान केन्द्र का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
बलरामपुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर राजेन्द्र कटारा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने ग्राम पंचायत जाबर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों के हित में चल रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली। कलेक्टर श्री कटारा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने कृषि विज्ञान केन्द्र के पूरे परिसर का भ्रमण कर चल रही गतिविधियों एवं कृषि तकनीकों का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न फसलों और बीज उत्पादन का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कड़कनाथ हेचरी यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यूनिट में चल रही गतिविधियों का जायजा लिया और कड़कनाथ नस्ल के पालन, हैचिंग प्रक्रिया की

जानकारी ली। कलेक्टर ने यूनिट की साफ-सफाई,तकनीकी व्यवस्था, चूजों के बेहतर रखरखाव के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बायोफ्लॉक मछली पालन इकाई का निरीक्षण कर इसके संचालन पद्धति की जानकारी ली। उन्होंने टैंक की साफ-सफाई, पानी की गुणवत्ता और मछलियों की प्रजातियों के रख-रखाव की बारीकी से जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संबंधितों को निर्देश दिए कि इच्छुक किसानों और बेरोज़गार युवाओं को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक से जोड़े। कलेक्टर ने कृषि वैज्ञानिकों को जिले के किसानों के हित में काम करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को धान के अलावा अन्य लाभदायक फसलों के उत्पादन से जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्होंने जिले के किसानों को यहां ली जा रही फसलों से रूबरू कराते हुए उन्नत खेती से जोड़ने को कहा। साथ ही खेती से लाभ और उत्पादन की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी उप संचालक कृषि श्री रामचन्द्र भगत,सहायक संचालक उद्यान श्री कमलेश कुमार साहू, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री अनिल सोनपाकर, डॉ. जी.के. निगम, जनपद सीईओ श्री रणवीर साय उपस्थित रहे।

CMYK

AMBIKAPUR GG PAPER 17 APRIL 2025_Layout 2 4/17/2025 3:53 AM Page 6

कोयला चोरी के चक्कर में जा सकती थी रेल यात्रियों की जान...

मालगाड़ी रोकने के लिए रेलवे ट्रैक पर रख दिया पेड़ का तना

लोको पायलट की समझदारी से बची यात्रियों की जान

लोको पायलट की सूझबूझ ने एक बड़ी रेल दुर्घटना टाल दी

18241 दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन के दिनांक 13 अप्रैल 2025 के लोको पायलट ने जो 12 अप्रैल 2025 को दुर्ग से अंबिकापुर लिए रवाना हुई एक्सप्रेस ट्रेन 18241 के लोको पायलट थे कि सुझबुझ से बड़ी रेल दुर्घटना होने से बच गई। बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन से कटोरा रेलवे स्टेशन के बीच सुबह के 06:14 बजे रेलवे ट्रैक पर लोको पायलट ने उरुमदुगा ग्राम के नजदीक पेड़ काटकर रखा देखा जिसे देखते ही लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया और ट्रेन को सकुशल रोक लिया। लोको पायलट की सूझबूझ से सैकड़ों यात्रियों की जान बच गई वरना ट्रेन डिरेल भी हो सकती थी। ट्रेन के अगले के भाग के कैटल गार्ड में फिर भी पेड़ का भाग जा फंसा जिसे लोको पायलट ने ही निकाला और फिर 06:16 पर एक्सप्रेस ट्रेन वहां से रवाना हो सकी,बताया जाता है कि मालगाड़ी रोककर कोयला चुराने की फिराक में थे कोयला चोर और संयोग से उसी समय एक्सप्रेस ट्रेन आ गई और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। वैसे यह सबकुछ बताया जा रहा है कोयला चोरों का रोजाना प्रयास है कभी सफल कभी असफल होते हुए वह कोयला ऐसे ही चुराते हैं।

सिग्नल के साथ छेड़छाड़ कर रोकते हैं मालगाड़ी,सिग्नल में बोरी फंसाकर भी मालगाड़ी रोकने का करते हैं प्रयास

कोयला चोर अब इतने हिम्मती हो गए हैं पटना क्षेत्र के की वह ट्रेन और रेलवे के सिग्नल सिस्टम से भी छेड़छाड़ करने में कोई डर भय किसी का नहीं रह गया है,न उन्हें स्थानीय पुलिस का भय है न ही रेलवे पुलिस का उन्हें खौफ है वह पेड़ काटकर ट्रैक पर रखकर ट्रेन डिरेल करने से भी नहीं डर रहे हैं और न ही सिग्नल सिस्टम में ही वह गड़बड़ी करके बोरी सिग्नल पर बांधकर सिग्नल सिस्टम को ही बाधित करने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं जिससे लोको पायलट को सिग्नल न नजर आए और वह मालगाड़ी रोक दे और वह कोयला चुरा सकें। जो तस्वीरें सामने आई हैं वह डरावनी हैं उनके लिए जो निश्चिंत होकर ट्रेन से यात्रा करते हैं और जिन्हें यह नहीं पता कि कहां कौन सा कोयला चोर उनकी जान लेने या तो ट्रैक पर पेड़ काटकर रखा हुआ है या सिग्नल सिस्टम को बाधित करने बोरी सिग्नल में फंसाकर रखा है। मामला गंभीर है और चुकीं कोयला चोरों का हौसला बढ़ा हुआ है और कार्यवाही कुछ नहीं होगी सबकुछ लेनदेन से सेट हो जाएगा यह उन्हें विश्वास है इसलिए वह हर हिम्मत करने लोगों की जान से खेलने तैयार हैं,यह हम नहीं कर रहे यह वह तस्वीरें वह ट्रेन की समय सारणी बता रही है जो साबित करती है कि 13 अप्रैल को ट्रेन डिरेल हो सकती थी या हाल फिलहाल में सिग्नल में उसे बाधित करने बोरी बांधी गई वह भी बैकुंठपुर रोड कटोरा रेलवे स्टेशन के बीच।

एक एसईसीएल कर्मी का ईटा भट्ठा है रेलवे ट्रैक के किनारे जिसके लिए उतारा जाता है कोयला

सूत्रों की माने तो कोयला चोरों द्वारा वैसे तो कई जगह कोयला मालगाड़ी ट्रेनों से उतारा जाता है बैकुंठपुर रोड सहित कटोरा रेलवे स्टेशन क्षेत्र इसका प्रमुख क्षेत्र भी है चोरी का लेकिन हाल फिलहाल में बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन और कटोरा रेलवे स्टेशन के बीच के जमगहना उरूमदुगा क्षेत्र के ईंट भट्ठों के लिए कोयला चोर उसी क्षेत्र से होकर गुजरने वाली मालगाड़ियों को रोकने का प्रयास करते हैं जिसका ही नतीजा था 13 अप्रैल को एक्सप्रेस ट्रेन के सामने पेड़ का आ जाना और बड़ी दुर्घटना टल जाना।उस दिन 13 अप्रैल को उसी क्षेत्र के एक एसईसीएल कर्मचारी के ईंट भट्ठे के लिए कोयला उतारने की फिराक में थे कोयला चोर जिसके कारण ही पेड़ को रेलवे ट्रैक पर उन्होंने रखा था और मालगाड़ी की जगह 18241 एक्सप्रेस ट्रेन आ गई,सूत्रों का कहना है कि उक्त एसईसीएल कर्मचारी का ईंट भट्ठा उसी जगह संचालित है जो अवैध भी है वहीं यह बात जिम्मेदार लोगो के संज्ञान में आ भी चुका था कि एक्सप्रेस ट्रेन किसके कारण किस ईंट भट्ठे के लिए कोयला उतारने की फिराक में डिरेल हो सकती थी फिर भी उसे बचाने का प्रयास किया गया और मामले को दबाने के लिए मामले को छिपाया गया,जबकि मामला देशद्रोह या सैकड़ों जिंदगियों से खिलवाड़ का बनता है और बड़ी कार्यवाही करके दोषियों को दंडित करने का भी काम किए जाने जरूरत थी लेकिन ऐसा नहीं किया गया ऐसा सूत्रों का दावा है और दोषियों को बचाने बड़े स्तर पर लेनदेन हुआ यह जनचर्चा है।

कोयला चोरों ने रेल्वे ट्रैक पर कोयला चोरी के लिए रखा पेड़,मालगाड़ी रोककर कोयला चोरी का था प्रयास

मालगाड़ी की जगह आ गई एक्सप्रेस ट्रेन लोको पायलट की सूझबूझ से एक्सप्रेस ट्रेन बेपटरी होने से बची

लोको पायलट ने दूर से ही देखा पटरी पर पेड़,लगाया इमरजेंसी ब्रेक,सैकड़ों रेल यात्रियों की बच गई जान

केवल कोयला चोरी के लिए किसी भी हद तक जा रहे हैं पटना थाना क्षेत्र के कोयला चोर,अब यात्री रेल भी उनके निशाने पर

कभी सिग्नल पर लगा दे रहे हैं बोरी,सिग्नल को दे रहे हैं ढंक कभी मालगाड़ी रोकने पेड़ काटकर रख रहे हैं पटरी पर...

कोयला चोरों के सामने स्थानीय पुलिस तो थी पहले से ही नतमस्तक,अब आरपीएफ भी कोयला चोरों के सामने हो गई नतमस्तक

कटोरा से बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन के बीच 13 अप्रैल की सुबह 06:14 से 06:16 के बीच कोयला चोरों के कारण रुकी 18241 एक्सप्रेस ट्रेन

जगह जगह रेल्वे ट्रैक के बगल में ही संचालित हैं अवैध ईंट भट्ठा,चोरी का कोयला खपता है यहां

कटोरा बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन के बीच जहां रेलवे ट्रैक पर रखा गया था पेड़ वहां संचालित है एक एसईसीएल कर्मचारी का ईंट भट्ठा

एक्सप्रेस ट्रेन कोयला चोरों के कारण होने वाली थी दुर्घटनाग्रस्त यह बात छिपाने का भी हुआ प्रयासःसूत्र

-रवि सिंह-
कोरिया,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कोयला चोरों का हौसला दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कोरिया जिले के पटना थाना क्षेत्र के कोयला चोरों ने तो इस बार हद ही पार कर दी और कानून व्यवस्था को और सैकड़ों रेल यात्रियों की जान की भी परवाह नहीं की और रेलवे ट्रैक पर पेड़ काटकर रख दिया और जहां कोयला चोरों का प्रयास यह था कि वह पेड़ रखकर मालगाड़ी को रोकेंगे वहीं उसी समय दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 18241 ट्रैक पर आ गई और जो लोको पायलट की सुझबुझ से बेपटरी होने से बच गई। लोको पायलट ने यदि सुझबुझ का परिचय नहीं दिया होता और यदि वह जरा सी भी देर करता दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 18241 दिनांक 13 अप्रैल 2025 को बेपटरी हो जाती और सैकड़ों यात्रियों की जान को खतरा उत्पन्न हो जाता। कोयला चोरों का यह प्रयास काफी डरावना और काफी हिम्मत वाला प्रयास माना जा रहा है जिसमे उन्हें न तो कानून का डर है ऐसा आभास हो रहा है न ही उन्हें सैकड़ों रेल यात्रियों के जान की ही परवाह है यह नजर आया। कोयला चोरों के आतंक से स्थानीय पुलिस

जहां नतमस्तक है यह लगातार देखने सुनने को मिल रहा था 13 अप्रैल 2025 की रेलवे पटरी वाली घटना के बाद यह स्पष्ट हो गया कि उन्हें अब रेलवे पुलिस का भी भय नहीं और वह सभी तरह से निर्भय हो चुके हैं। वैसे यह निर्भीकता कोयला चोरों में ऐसे ही नहीं आई है।

बता दें कि कोयला चोरों को मिल रही लगातार छूट इसका कारण है और उन्हें कोयला चोरी की एक तरह से छूट मिली हुई है इसलिए वह निडर हो चुके हैं। कोयला चोर कभी पेड़ काटकर रेल पथ पर डाल रहे हैं कभी वह रेलवे सिग्नल को ही बाधित करने के लिए सिग्नल पर बोरी बांध रहे हैं कुल मिलाकर अब कोयला चोर और अवैध ईंट भट्ठों को लेकर पुलिस प्रशासन खनिज विभाग साथ ही रेलवे सुरक्षा बल हांथ खड़ा कर चुके हैं और यह चोरी का धंधा अब लोगों की जान की परवाह बिना भी कोयला चोर करने तैयार हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि 13 अप्रैल 2025 दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस 18241 जो मालगाड़ी के चक्कर में कोयला चोर डिरेल करने वाले थे जो लोको पायलट की सुझबुझ से डिरेल नहीं हुई मामले में जिन्होंने डिरेल करने का प्रयास किया उनकी पहचान हो चुकी थी वहीं मामले में अपनी छवि बचाने के लिए साथ ही कुछ लाभ कमाने की मंशा के कारण मामले को जिम्मेदार दबाने में लगे हैं और लेनदेन कर मामले का पटाक्षेप करने की तैयारी है। वैसे यह सूत्रों का दावा है लेनदेन कर कोयला चोरों को जो ट्रेन डिरेल करने की फिराक में थे उन्हें बचाया जा रहा है,दैनिक घटती घटना इसकी पुष्टि नहीं करता लेकिन जनचर्चा यही है कि कोयला चोरों की सेटिंग हो गई है और वह मामले में बच निकलेंगे। वैसे यह वही ट्रेन है जिससे हाल ही में प्रदेश के महामहिम राज्यपाल जी का जिले में आगमन हुआ था वहीं लगातार इस ट्रेन से आम यात्रियों के साथ वीवीआईपी भी आते जाते हैं।

ट्रेन हाईजैक करने जैसा है मामला...फिर भी रेलवे पुलिस बड़ी कार्यवाही से दूर क्यों?

वैसे 13 अप्रैल 2025 की घटना जो बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन और कटोरा रेलवे स्टेशन के बीच सुबह 06:14 बजे घटी जिसमें 18241 क्रमांक की एक्सप्रेस ट्रेन डिरेल होने से बची लोको पायलट की सुझबुझ से वहीं इसी दौरान रेलवे सिग्नल भी बाधित करने के लिए सिग्नल पर भी बोरी बांधी गई ऐसे मामले हैं जो ट्रेन हाईजैक करने जैसे मामले हैं। सरगुजा संभाग को राजधानी से और देश से जोड़ने का काम करने वाली उक्त ट्रेन सहित इस क्षेत्र की रेल पटरियां कोयला चोरों के कारण कभी भी रेल सवारियों की जिंदगी के लिए खतरा बन सकती है यह कहना गलत नहीं होगा। कटोरा सहित बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन के बीच का पटना थाना से जुड़ा क्षेत्र ही कोयला चोरों के लिए निडर क्षेत्र बना हुआ है और यहां कोयला चोरों को और अवैध ईंट भट्ठे के संचालकों को कोई डर भय नहीं है न स्थानीय पुलिस का न ही रेलवे बल का,यहां ट्रेन और रेल संपत्ति की सुरक्षा अब भगवान भरोसे कही जाए तो गलत नहीं होगा।

रेलवे पटरियों के आसपास ही हैं अनगिनत अवैध ईंट भट्ठे

बैकुंठपुर रोड रेलवे स्टेशन सहित कटोरा रेलवे स्टेशन के बीच रेल पटरियों के अगल बगल अनगिनत अवैध ईंट भट्ठे संचालित हैं जिनके लिए ही रेल रोककर कोयला चुराया जाता है।। बता दें कि खनिज विभाग और पुलिस प्रशासन मामले में मौन बने रहते हैं कहीं न कहीं यह संरक्षण का मामला है और यही संरक्षण जरा सा लालच जिम्मेदारों का आज रेल जैसी सुरक्षित क्षेत्रों को भी असुरक्षित बनाती हैं। यदि जल्द समय रहते कार्यवाही नहीं हुई तो आज का ट्रेन डिरेल करने का असफल हो चुका प्रयास कल सफल होगा और बड़ी दुर्घटना देखने को मिलेगी।

बलरामपुर में हाथी का आतंक, बुजुर्ग पंडो महिला की मौत, महीने भर में चार की गई जान

-संवाददाता-
बलरामपुर,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में हाथी के हमले में एक महिला की मौत हो गई है। वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र के रजखेता इलाके में फोकली महुआ जंगल में महुआ बीनने गई एक बुजुर्ग पंडो महिला पर जंगली हाथी ने हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना मंगलवार सुबह की है। पिछले एक महीने में जिले में हाथी के हमले से चार लोगों की जान जा चुकी है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वन विभाग ने मृतका के परिजनों को तत्काल 25 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की है, शेष राशि औपचारिकताओं के बाद दी जाएगी।

विवेकानंद महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्र-छात्राओं का मिलनोत्सव

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ में प्राचार्य डॉ. श्राबनी चक्रवर्ती के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में तथा एलुमनी समिति प्रभारी डॉ. रश्मि तिवारी के संयोजन में भूतपूर्व छात्र-छात्राओं (एलुमनी) का मिलनोत्सव आयोजित हुआ। इस आयोजन में उपस्थित भूतपूर्व छात्र-छात्राओं का सर्वप्रथम महाविद्यालय समिति द्वारा कुंकुम-रोली से टीका एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात् प्राचार्य डॉ. चक्रवर्ती ने अपने उद्बोधन में सभी उपस्थित भूतपूर्व छात्र-छात्राओं का हार्दिक अभिनंदन किया एवं उन्हें महाविद्यालय का गौरव बताया। उन्होंने बताया कि इस मिलनोत्सव का उद्देश्य महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र-छात्राओं से दोबारा संपर्क स्थापित कर संस्थान से उनका भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करना एवं उनके कैरियर अनुभव और जीवन से जुड़ी सीखें वर्तमान छात्रों व शिक्षकों से साझा करना प्रमुख है। साथ ही महाविद्यालय की प्रगति, उपलब्धियों व भावी योजनाओं से आप सभी को अवगत कराना ताकि हमारा एक सक्रिय एलुमनी एसोसिएशन हो। आपकी मदद से न केवल संस्था की गरिमा और गुणवत्ता में वृद्धि होती है, बल्कि यह नैक मूल्यांकन में भी महाविद्यालय को उच्च स्तर पर पहुँचाने में सहायक सिद्ध होता है। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं एलुमनी प्रभारी डॉ. रश्मि तिवारी ने बताया कि इस मिलन समारोह का उद्देश्य केवल पुनर्मिलन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है- यह एक ऐसा सेतु जो भूतपूर्व छात्रों को महाविद्यालय के वर्तमान और भविष्य से जोड़ता है। आप सभी एलुमनी, अपने अनुभव, संसाधन और सहयोग के माध्यम से इस संस्थान को और अधिक सशक्त बना सकते हैं। इसके पश्चात् उपस्थित एलुमनी सतीश उपाध्याय, ज्योति मजूमदार, ममता राणा, रामचरित द्विवेदी, डॉ. अमूल्यचंद्र झा, मंजूलता कश्यप, सुमन पाठक, राकेश बेहरा एवं गोपाल गुप्ता जी ने अपने महाविद्यालय से जुड़ी बहुत सारी स्मृतियां साझा की एवं महाविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास हेतु कृत संकल्पित होकर हर संभव प्रयास करने की बात कही। सभी ने महाविद्यालय के इस अभिनव प्रयास की सराहना करते हुए एक साझा मंच प्रदान करने के लिए आभार जताया। तत्पश्चात् एलुमनी समिति के सदस्य डॉ. सुशील तिवारी एवं आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. अरूणिमा दत्ता ने महाविद्यालय के विकास में एलुमनी के योगदान को विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में समिति सदस्य एवं एलुमनी भीमसेन भगत सहायक प्राध्यापक भूविज्ञान के द्वारा उपस्थित एलुमनी से आगे भी इसी तरह की सहयोग की अपेक्षा के साथ सभी के प्रति आभार जताया। आज के आयोजन को सफल बनाने में कार्यालयीन स्टॉफ रजिस्ट्रार यशवंत शाक्य, मनीष श्रीवास्तव, बी.एल.शुक्ला, सुनीत जॉनसन बाड़ा, मीना त्रिपाठी, साधना बुनकर, हेमंत सिंह, प्रदीप मलिक, पारस, सतीश सोनी एवं ममता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई,फिर आग लगी, ड्राइवर की जिंदा जलने से मौत

-संवाददाता-
कोरबा,16 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

जिले में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे उसमें आग लगी थी। इसमें कार ड्राइवर की जिंदा चलने से मौत हो गई है और कार भी पूरी तरह खाक हो गई है। यह घटना पसान थाने के कोरबा-कारीमाटी की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हादसे में कार पूरी तरह से जल गई है, नंबर प्लेट भी दिखाई नहीं दे रहा है।

पुलिस युवक की शिनाख्ती में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक कार कोरबा की तरफ से पेंड्रा रोड की तरफ जा रही थी। पेंड्रा कटघोरा मुख्य मार्ग की कारीमाठी मोड़ के पास अनियंत्रित होकर कार पेड़ से टकरा गई और कार में आग लग गई और वाहन धूं-धूं कर जलकर खाक हो गई।

C M Y K

AMBIKAPUR GG PAPER 17 APRIL 2025_Layout 2 4/17/2025 3:53 AM Page 7

संक्षिप्त खेल खबर

सौरभ चौधरी ने शूटिंग वर्ल्ड कप में रचा इतिहास

10 मीटर एयर पिस्टल में जीता ब्रॉन्ज मेडल

पेरू,16 अप्रैल 2025। पूर्व एशियाई खेलों और युवा ओलंपिक चैंपियन सौरभ चौधरी ने पेरू के लीमा में लास पालमास शूटिंग रेंज में वर्ष के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण के पहले दिन 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपनी झोली में एक और विश्व कप पदक जोड़ लिया।. चीन के हू काई ने 246.4 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो विश्व रिकॉर्ड से सिर्फ 0.1 कम था, जबकि ब्राजील के ओलंपिक पदक विजेता फेलिप अल्मेडा वू ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि सौरभ को 219.1 के साथ ब्रॉन्ज मेडल से संतुष्ट होने पड़ा।

चहल की फिरकी में फंसा केकेआर

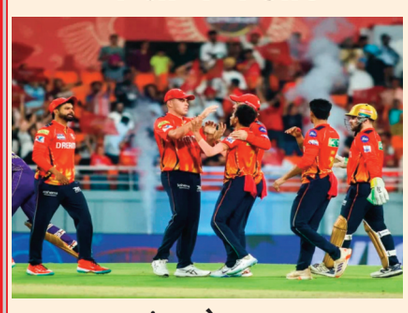

पंजाब ने 111 रन डिफेंड करके रचा इतिहास

चंडीगढ़,16अप्रैल 2025। पंजाब ने आईपीएल इतिहास में अब तक के सबसे कम स्कोर का बचाव करके इतिहास रच दिया है। मुल्लांपुर में खेले गए आईपीएल 2025 के 31 वें मैच में पंजाब ने पहले 15.3 ओवर में 111 रन बनाए और फिर केकेआर को 15.1 ओवर में 95 रन पर ढेर कर दिया। पंजाब की जीत में अहम भुमिका निभाने वाले चहल ने 4 ओवर में 28 रन देकर 4 विकेट झटके, जिसकी वजह से उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। 111 रनो का बचाब करने के लिए पंजाब के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की, युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाज मार्को जानसन ने तीन विकेट चटकाए और बाकी गेंदबाजों ने एक एक विकेट हासिल किए, जिसकी वजह से पंजाब आईपीएल के इतिहास में सबसे कम स्कोर का बचाव करने में कामयाब रहा।

हमने कुल मिलाकर ठोस प्रदर्शन किया : कोच राजिंदर

झांसी,16अप्रैल 2025। हॉकी पंजाब ने उत्तर प्रदेश के झांसी में हॉकी मध्य प्रदेश को 4-1 से हराकर सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। हॉकी पंजाब के लिए जुगराज सिंह शीर्ष फॉर्म में थे, उन्होंने टूर्नामेंट में पांच गोल करके दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में समापन किया और फाइनल में दो महत्वपूर्ण गोल भी किए। युवा सनसनी अरिजीत सिंह हुंदल ने भी हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने नाम तीन गोल किए। इस बार कप्तान हार्दिक सिंह और कोच राजिंदर सिंह की अगुआई में हॉकी पंजाब ने फिर से चैंपियनशिप अपने नाम की। पंजाब डिवीजन 1, पूल ए स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर रहा, जो हॉकी मध्य प्रदेश से तीन अंक पीछे था,जिसने उन्हें टूर्नामेंट में अपनी एकमात्र हार दी थी। क्वार्टर फाइनल में हॉकी पंजाब ने हॉकी हरियाणा पर 3-2 से जीत हासिल की, उसके बाद सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश हॉकी के खिलाफ 4-3 से जीत दर्ज की।

लखनऊ सुपर जायंट्स में अब मैदान पर नजर आएगा घातक खिलाड़ी मयंक यादव

लखनऊ,16 अप्रैल 2025। आईपीएल का रोमांच जारी है। सभी टीमें अपने अपने मैच जीतकर एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगी हुई हैं। इस बीच ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। टीम जिस खिलाड़ी का लंबे समय से इंतजार कर रही थी, वो अब खेलने के लिए तैयार नजर आ रहा है। हालांकि अभी ये कहना मुश्किल है कि वो खिलाड़ी मैदान में कब उतरेगा, लेकिन टीम के साथ जुड़ने का वीडियो जरूर सामने आ गया है।

एलएसजी ने मयंक यादव समेत पांच खिलाड़ियों को किया था रिटेन

लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2025 से पहले अपने 5 खिलाड़ी रिटेन किए थे। इसमें निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, आयुष बदोनी और मोहसिन खान के नाम शामिल थे। लेकिन टीम को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब सीजन शुरू होने से पहले मयंक यादव और मोहसिन खान फिट नहीं हो पाए। कुछ ही दिन बाद पता चला कि मोहसिन खान को पूरा आईपीएल मिस करेंगे, लेकिन मयंक यादव कुछ मैचों के बाद वापसी कर सकते हैं। पहले कहा गया था कि मयंक यादव आधा आईपीएल मिस कर सकते हैं। मोहसिन खान की जगह टीम ने शार्दुल ठाकुर को रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया, जो अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब मयंक यादव टीम के साथ जुड़ गए हैं।

मयंक यादव को 11 करोड़ रुपये में किया गया था रिटेन

मयंक यादव अपनी स्पीड और पेस के लिए जाने जाते हैं। पिछले साल के आईपीएल में मयंक यादव ने इतनी स्पीड निकाली कि जिसने भी देखा दंग रह गया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने मयंक यादव को 11 करोड़ की मोटी रकम में अपने साथ रिटेन किया था। अब जबकि लखनऊ की टीम सात मैच खेल चुकी है तो मयंक यादव की वापसी होती हुई दिख रही है। टीम की ओर से एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें मयंक यादव काफी टशन के साथ गाड़ी से उतरकर अपनी टीम के साथ जुड़ रहे हैं।

19 अप्रेल को राजस्थान रॉयल्स से होगा लखनऊ का मुकाबला

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अभी तक सात में से चार मैच अपने नाम कर चुकी है, वहीं तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम इस वक्त अंक तालिका में पांचवें नंबर पर है। लखनऊ का अगला मुकाबला आईपीएल में 19 अप्रैल को है। इस दिन शाम के मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में मयंक यादव की वापसी हो सकती है। आईपीएल में अब तक चार मैच खेलकर सात विकेट लेने वाले मयंक यादव की वापसी पर सभी की नजरें रहेंगी, क्या वे अपनी वही पेस बरकरार रख पाएंगे, जो चोटिल होने से पहले थी, ये देखना काफी दिलचस्प होगा।

मुंबई इंडियंस और सनराईज हैदराबाद के बीच मैच आज

सूर्यकुमार यादव या अभिषेक शर्मा किसे बनाएं कप्तान

मुंबई,16अप्रैल 2025। आईपीएल 2025 में 33वां लीग मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के बीच में खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए ये मैच काफी महत्वपूर्ण है। मुंबई इंडियंस की टीम ने अब तक इस सीजन 6 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से उन्हें 4 में हार का सामना करना पड़ा है तो वहीं वह सिर्फ 2 मैचों को जीतने में कामयाब हो सके हैं। वहीं दूसरी तरफ सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के अब तक के सफर को लेकर बात की जाए तो उन्होंने भी 6 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से 4 में उन्हें हार मिली जबकि 2 को वह जीतने में सफल रहे हैं। ऐसे में इस मुकाबले पर सभी की नजरें रहने वाली हैं।

चार बल्लेबाज और तीन गेंदबाजों को दें जगह

मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले इस मुकाबले की संभावित ड्रीम11 टीम को लेकर बात की जाए तो उसमें आप विकेटकीपर के विकल्प में से 2 प्लेयर्स चुन सकते हैं, जिसमें हेनरिक क्लासेन और ईशान किशन को ले सकते हैं। वहीं बल्लेबाजों के विकल्प में से आप चार खिलाड़ियों को अपनी इस टीम में जगह दे सकते हैं, इसमें सूर्यकुमार यादव, ट्रेविस हेड, रोहित शर्मा और नितीश कुमार रेड्डी को शामिल कर सकते हैं। ऑलराउंडर वाले विकल्प में आप हार्दिक पांड्या और अभिषेक शर्मा को चुन सकते हैं, जिसमें दोनों ही प्लेयर्स का अब तक शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। वहीं अपनी इस11 टीम में आप गेंदबाजों के विकल्प में से जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस और ट्रेंट बोल्ट को चुन सकते हैं।

एमआई व्हीएस एसआरएचः मैच की ड्रीम 11 टीम

हेनरिक क्लासेन,ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान),ट्रेविस हेड, रोहित शर्मा,नितीश कुमार रेड्डी,हार्दिक पांड्या, अभिषेक शर्मा, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान),पैट कमिंस,ट्रेंट बोल्ट।

हेड टू हेड में पलड़ा लगभग बराबर

दोनों टीमों के बीच आईपीएल में हेड टू हेड रिकॉर्ड देखा जाए तो उसमें मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच अब तक 23 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से मुंबई इंडियंस की टीम ने जहां 13 मैचों को अपने नाम किया है, तो वहीं सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 10 मुकाबलों को जीतने में कामयाब रही है। ऐसे में इस मैच में कौन सी टीम जीत हासिल करेगी इसपर सभी की नजरें रहने वाली हैं।

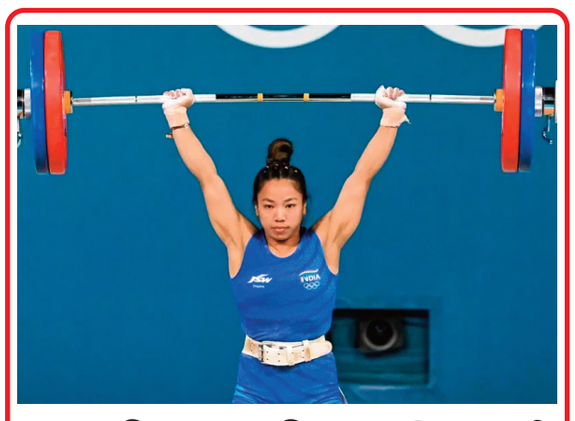

ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,16अप्रैल 2025। टोक्यो ओलंपिक खेलों की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू को भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के एथलीट आयोग का अध्यक्ष चुना गया है। चानू ने कहा कि, वह इस भूमिका को साथी भारोत्तोलकों की आवाज को बुलंद करने के अवसर के रूप में देखते हैं। टोक्यो पदक विजेता मीराबाई ने एक विज्ञप्ति में कहा,मैं भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के एथलीट आयोग के अध्यक्ष के रूप में मुझे चुनने के लिए अपना बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूं। साथी भारोत्तोलकों की आवाज का प्रतिनिधित्व करने और उसे बुलंद करने का अवसर मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा, मैं इस भूमिका के साथ आने वाली जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेने की प्रतिज्ञा करती हूं। मैं सभी प्रमुख चैनलों पर एथलीटों की आवाज और दृष्टिकोण को फैलाने की दिशा में काम करूंगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम बाहरी कारकों से विचलित हुए बिना खेल पर ध्यान केंद्रित करना जारी रख सकें।

क्या इस बार आईपीएल को मिलेगा नया चैंपियन

नई दिल्ली,16अप्रैल 2025। आईपीएल का ये सीजन अब अपने आधे पड़ाव पर पहुंचने वाला है। टीमों ने पांच से लेकर सात मुकाबले खेल लिए हैं। इस बीच अगर अंक तालिका पर नजर डालें तो इस बार कुछ अलग ही कहानी नजर आ रही है। इस वक्त गुजरात टाइटंस की टीम टॉप पर है, लेकिन जीटी की ही तरह कुल पांच टीमें आठ आठ हासिल कर चुकी हैं। इसमें कई ऐसी टीमें हैं, जो अब तक एक भी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम नहीं कर पाई हैं। तो क्या इस बार आईपीएल को नया चैंपियन मिलने वाला है। इसकी संभावना अभी तक तो काफी ज्यादा दिख रही है।

इस वक्त कुल पांच टीमों के पास आठ अंक

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस की टीम इस वक्त अंक तालिका में आठ अंक लेकर टॉप पर है। गुजरात टाइटंस के अलावा दिल्ली कैपिटल्स,आरसीबी,पंजाब किंग्स और एलएसजी के भी आठ आठ अंक हैं। यहां पर अंतर केवल नेट रन रेट का है। यानी कुल

मिलाकर पांच टीमें बराबर अंक हासिल कर चुकी हैं। खास बात ये है कि इन 5 में से चार टीमें ऐसी हैं, जो अभी तक एक भी बार आईपीएल का खिताब नहीं जीत पाई हैं। गुजरात टाइटंस ने साल 2022 में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में ट्रॉफी जीती थी। लेकिन दिल्ली, बेंगलुरु, पंजाब की टीम में तो पहले आईपीएल से अब तक एक अदद खिताब के लिए तरस रही हैं। एलएसजी की टीम तो नई है, लेकिन फिर भी उसे चार साल हो गए हैं।

सबसे ज्यादा आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाली टीमें इस बार फिसड्डी

मजे की बात ये है कि जिस चेन्नई सुपरकिंग्स ने अब तक पांच बार आईपीएल जीता है, वो इस वक्त दसवें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस ने भी पांच ही बार खिताब अपने नाम किया है, वो भी अभी सातवें स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने एक एक बार आईपीएल जीता है, वे भी नीचे चल रहे हैं। केकेआर तीन बार की आईपीएल विजेता है, ये टीम अभी अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

18 साल इंतजार कर रही टीमों का भग्य इस बार खुल सकता है

जो पांच टीमें अभी तक आठ अंक हासिल कर चुकी हैं, उसमें से दो से तीन टीमें तो कम से कम प्लेऑफ में जाती हुई दिख ही रही हैं। लेकिन इसके लिए इन टीमों को अपना यही प्रदर्शन जारी रखना होगा, जो इस वक्त चल रहा है। अगर ऐसा हुआ तो इस बात की संभावना काफी ज्यादा है कि इस दफा नया चैंपियन मिल जाए। वैसे भी बेंगलुरु, पंजाब और दिल्ली की टीमें 18 साल से आईपीएल खेल रही हैं, लेकिन इसके बाद भी अभी तक एक भी बार खिताब को हाथ नहीं लगा पाई हैं। क्या पता इस बार कुछ करिश्मा हो जाए, जो अब तक हुआ ही नहीं है।

अमेरिका के सदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में होगा ओलंपिक 2028

कैलिफोर्निया,16अप्रैल 2025। ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। 2028 में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया, जिसके लिए वेन्यू का ऐलान भी कर दिया गया है। आईसीसी ने ऐलान किया कि अमेरिका के सदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में खास तौर पर बनाए गए अस्थायी मैदान में सभी मुकाबले खेले जाएंगे। यह वेन्यू लॉस एंजिल्स से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित है। फेयरप्लेक्स नाम से मशहूर 500 एकड़ में फैला हुआ यह एरिया 1922 से लॉस एंजिल्स काउंटी फेयर की मेजबानी कर रहा है।

2028 ओलंपिक में छह टीमें लेंगी हिस्सा

पिछली बार क्रिकेट को ओलंपिक में 1900 में शामिल किया गया था, जहां ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच मुकाबला हुआ था। इस बार ओलंपिक में क्रिकेट के सभी मुकाबले

टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। इसमें मेंस और वुमेंस कैटेगरी में 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। हर टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। कुल 90 खिलाड़ी ओलंपिक का हिस्सा बनेंगे। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि, इस ओलंपिक में क्रिकेट के लिए टीमों का क्वालिफिकेशन किस आधार पर किया जाएगा। 2028 ओलंपिक के लिए वेन्यू का ऐलान करते हुए आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि वह ओलंपिक 2028 के लिए क्रिकेट वेन्यू की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह क्रिकेट को ग्लोबल स्टेज पर ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इन 7 फिल्मों को ठुकराकर पछताए रणबीर कपूर

एक एक्टर ने तीन बार किया रिप्लेस, हर एक रही सुपरहिट

रणबीर कपूर शानदार एक्टर हैं और वो अपनी हर फिल्म में छाप छोड़ते हैं। उनकी दमदार एक्टिंग इतनी प्रभावी रहती है कि वो लोगों का दिल जीतने से नहीं चूकते। वैसे एक्टर के नाम कई हिट फिल्में हैं, लेकिन अगर वो ये 7 फिल्में भी कर लेते तो उनके करियर में चार चांद लग जाते। दरअसल एक्टर ने जिन सात फिल्मों को ठोकर मारी वो सभी हिट साबित हुई और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कीं।

रिपोर्ट के अनुसार प्रतिष्ठित फिल्म जिंदगी न मिलेगी दोबारा में अर्जुन सलूजा की भूमिका रणबीर कपूर को ऑफर की गई थी। लेकिन उन्होंने इस भूमिका को अस्वीकार कर दिया और फिर बाद में यह भूमिका ऋतिक रोशन ने निभाई। 2011 की इस फिल्म का निर्देशन जोया अख्तर ने किया था।जोया अख्तर निर्देशित गली बॉय में मुराद अहमद की भूमिका पहले रणबीर कपूर को ऑफर की गई थी, लेकिन बात नहीं बनी और बाद में आलिया भट्ट के साथ मुराद की भूमिका के लिए रणवीर सिंह को चुना गया। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और विजय राज भी अहम भूमिका में हैं। यह बॉलीवुड फिल्म काफी हिट रही और इसने कई पुरस्कार जीते।जोया अख्तर की फिल्म दिल धड़कने दो पहले बर्फी एक्टर रणबीर कपूर को ऑफर की गई थी,लेकिन कबीर मेहरा का रोल रणवीर सिंह को मिल गया। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर काफी पसंद किया गया था। फिल्म में अनिल कपूर,शेफाली शाह,प्रियंका चोपड़ा जोनास, अनुष्का शर्मा और फरहान अख्तर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। साल 2014 की फिल्म 2 स्टेट्स के निर्माताओं ने सबसे पहले कृष अर्जुन कपूर द्वारा अभिनीत की भूमिका के लिए रणबीर कपूर से संपर्क किया था। यह फिल्म चेतन भगत उपन्यास पर आधारित है। अभिषेक वर्मन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अर्जुन कपूर के साथ आलिया भट्ट और अमृता सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। रणवीर सिंह की बॉलीवुड में पहली फिल्म बैंड बाजा बारात पहले रॉकस्टार अभिनेता रणबीर कपूर को ऑफर की गई थी, लेकिन अभिनेता ने बिट्टू शर्मा (रणवीर सिंह द्वारा अभिनीत) की भूमिका नहीं निभाई और रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म बड़ी हिट रही। बॉलीवुड फिल्म में अनुष्का शर्मा, मनीष चौधरी और मनु ऋषि चड्ढा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।डेल्ही बेली में ताशी मल्होत्रा का किरदार पहले बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर को ऑफर किया गया था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया और फिर यह रोल को इमरान खान ने निभाया। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिलक के अनुसार 2019 की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट मानी गई थी। कहा जाता है कि फिल्म बेफिक्रे की स्क्रिप्ट पहले रणबीर कपूर को ऑफर की गई थी,लेकिन उनके बीच कुछ ऐसा हुआ कि फिर यह प्रोजेक्ट नहीं चल पाया। बाद में यह रोल रणवीर सिंह को ऑफर किया गया। इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।

सुपरफ्लॉप एक्टर जिसने संवारा माधुरी दीक्षित का करियर

माधुरी दीक्षित ने 1984 में अबोध से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इससे पहले उन्होंने टीवी सीरियल में भी काम किया। फिर उन्होंने 80-90 के दशक में बॉलीवुड पर राज किया। माधुरी दीक्षित ने अपने अभिनय, डांस और खूबसूरती से सबको अपना दीवाना बना दिया। लेकिन, क्या आप जानते हैं माधुरी दीक्षित को बॉलीवुड की धक-धक गर्ल किसने बनाया? माधुरी को बॉलीवुड की धड़कन एक ऐसे अभिनेता ने बनाया, जिनका खुद का एक्टिंग करियर फ्लॉप रहा। लेकिन, बाद में उन्होंने निर्देशन में अपना हाथ आजमाया और कई एक्टर्स की किस्मत संवारी। इन्हीं कलाकारों में से एक माधुरी दीक्षित भी रहीं।

बतौर एक्टर कई फिल्मों में निभाए छोटे रोल

हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई की। जी हां, सुभाष घई, फिल्म निर्माता और निर्देशक होने के साथ-साथ एक्टर भी रहे हैं। उन्होंने कई फिल्मों में बतौर अभिनेता छोटे-मोटे रोल निभाए, लेकिन एक्टर के तौर पर उन्हें कोई पहचान नहीं मिली। सुभाष घई ने 60 के दशक की शुरुआत में अपने अभिनय की शुरुआत की। वह कुछ छोटी लेकिन उल्लेखनीय भूमिकाओं में नजर आए।सुभाष घई को 1969 में राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म आराधना में एक बड़ी भूमिका मिली। वह फिल्म में भले लीड रोल में नहीं थे, लेकिन अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में कामयाब रहे। बाद में उन्होंने उमंग, भारत के शहीद शेरनी और नाटक जैसी फिल्मों में अभिनय किया। लेकिन, घई बॉलीवुड में एक और स्ट्रगलिंग एक्टर बनकर खुश नहीं थे। इसलिए, उन्होंने 1979 में फिल्म निर्देशन की ओर रुख कर लिया।

कालीचरण का किया निर्देशन

सुभाष घई के निर्देशन में बनी पहली फिल्म कालीचरण थी, जो ब्लॉकबस्टर रही। फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय मुख्य भूमिकाओं में थे। इसके बाद, उन्होंने कर्ज, हीरो, सौदागर, कर्मा, परदेस और ताल जैसी फिल्मों का निर्देशन किया और दशकों के पसंदीदा डायरेक्टर बनकर उभरे।

माधुरी दीक्षित के बने गॉडफादर

1989 में, सुभाष घई ने एक चांस लिया और अनिल कपूर के साथ राम लखन में माधुरी दीक्षित को फिर से पेश किया। अपनी आकर्षक एक्टिंग और बेहतरीन डांसिंग स्किल्स से माधुरी दीक्षित रातों-रात मशहूर हो गईं। उसके बाद,धक-धक गर्ल ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और घई इंडस्ट्री में उनके गॉडफादर बन गए। उन्हें 2006 की फिल्म इकबाल के लिए एक निर्माता के रूप में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला।

AMBIKAPUR GG PAPER 17 APRIL 2025_Layout 2 4/17/2025 3:53 AM Page 8

अबूझ नहीं रहेगा आदिवासी वनांचल अबूझमाड़

- नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर में पर्यटन के नए द्वार खुलेंगे : श्री विष्णु देव साय
- छत्तीसगढ़ के जंगल बेहद मोहक, यहां की जैव विविधता और ऐतिहासिक धरोहर बेमिसाल : डॉ. रमन सिंह
- मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष पर्यटन मंडल तथा साहित्य अकादमी के नवनियुक्त अध्यक्षों के पदभार ग्रहण समारोह में हुए शामिल
- मुख्यमंत्री ने राजकीय गमछा, पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंटकर दोनों अध्यक्षों का किया अभिनंदन...

रायपुर,16 अप्रैल 2025 (ए)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा एवं छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा के पदभार ग्रहण और अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने समारोह की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजकीय गमछा, पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंटकर दोनों अध्यक्षों का अभिनंदन किया। विशिष्ट अतिथियों और गणमान्य नागरिकों से भरे खचाखच ऑडिटोरियम में पदभार ग्रहण करने के बाद दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों को सभी लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन मंत्री श्री केदार कश्यप तथा खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल भी समारोह में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पदभार ग्रहण और अभिनंदन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सरगुजा से लेकर बस्तर तक पर्यटन की अपार संभावना है। राज्य में डबल इंजन की सरकार के प्रभावी कदमों से बस्तर में नक्सलवाद अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। नक्सलवाद के खात्मे के बाद वहां पर्यटन के नए द्वार खुलेंगे। अबूझमाड़ भी अबूझ नहीं रहेगा। वहां भी विकास की रोशनी पहुंचेगी। पर्यटन के क्षेत्र में राज्य का भविष्य उज्जवल है। इसमें रोजगार की भी बहुत संभावना है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों के नेतृत्व में राज्य में पर्यटन और साहित्य का विकास नए शिखरों को छुएगा।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने समारोह में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की जैव विविधता और ऐतिहासिक धरोहर बेमिसाल हैं। पर्यटन की दृष्टि से यहां की ये दोनों खासियतें अभी तक 'अनएक्सप्लोर्ड' हैं। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद अब बस्तर भी जल्दी ही पर्यटन के लिए पूरी तरह खुल जाएगा। यह हिंदुस्तान का सबसे बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जंगल बेहद मोहक हैं। यहां से बेहतर जंगल और कहीं नहीं हैं। राज्य में हर तरह की कनेक्टिविटी बढ़ रही है। पर्यटन के विकास में इसका बहुत लाभ मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में पर्यटन का क्षेत्र काफी संभावनाओं से भरा हुआ है। सरकार ने यहां पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है। इससे इस क्षेत्र के विकास को और गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दो ऊर्जावान युवाओं को महती जिम्मेदारी मिली है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा की अगुवाई में यहां पर्यटन का तेजी से विकास होगा। छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा साहित्य के जानकार हैं और वे लगातार इस क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। उनके अनुभवों का लाभ राज्य और अकादमी को मिलेगा। भरोसा है कि दोनों के सक्षम नेतृत्व में इन दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम होंगे। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने खुद को दी गई बड़ी जिम्मेदारी के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेरे लिए नई चुनौती और नया अवसर है। छत्तीसगढ़ को देश-दुनिया में पहचान दिलाने का सौभाग्य मिल रहा है। यहां के पर्यटन स्थलों को सजाने-संवारने का काम करेंगे। पर्यटन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाली गतिविधियों को धरातल पर उतारेंगे। छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य का क्षेत्र बहुत विराट क्षेत्र है। साहित्य भी विकास की एक धारा है। अन्य क्षेत्रों की तरह कला, संस्कृति और साहित्य का विकास भी जरूरी है। छत्तीसगढ़ साहित्य के क्षेत्र में पूरे देश में जाना जाता रहा है। यहां के साहित्यकारों ने देशभर में नाम कमाया है। राजनांदगांव का इसमें बहुत योगदान है। उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विश्वास पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। यहां के साहित्य और साहित्यकारों का संरक्षण-संवर्धन करेंगे।

महत्वपूर्ण खबर

छत्तीसगढ़ की पीडीएस व्यवस्था पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ

रायपुर,16 अप्रैल 2025(ए)। सीएम विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव को पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ टेनिस संघ से हटे भूपेश बघेल

- डॉ.हिमांशु द्विवेदी बने नए अध्यक्ष,
- गुरुचरण सिंग होरा बने महासचिव

रायपुर,16 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश टेनिस संघ की वार्षिक आमसभा 15 अप्रैल को होटल ट्रीटन हुई जिसमें छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के अध्यक्ष रहे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हटाकर उनकी जगह डॉ. हिमांशु द्विवेदी को अध्यक्ष बनाया गया, जबकि गुरुचरण सिंग होरा महासचिव चुने गए।

सीपीआई से जुड़े 6 संगठनों पर सरकार ने लगाई रोक

रायपुर,16 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) और इससे संबंध छह संगठनों पर लगे प्रतिबंध की अवधि एक वर्ष के लिए और बढ़ा दी है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ विशेष जन सुरक्षा अधिनियम, 2005 के तहत की गई है।

राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सीपीआई से जुड़े छह संगठनों पर प्रतिबंध जारी रहेगा, उनमें दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संघ, क्रांतिकारी आदिवासी महिला संघ, क्रांतिकारी आदिवासी बालक संघ, क्रांतिकारी किसान कमेटी, महिला मुक्ति मंच, नेशनल रिवोल्यूशनरी पीपुल्स काउंसिल (जनताना सरकार) शामिल हैं।

14 सटोरिए गिरफ्तार,1500 से अधिक बैंक खाते फ्रीज

रायपुर,16 अप्रैल 2025(ए)। 14 सटोरिए गिरफ्तार हुए है, 1500 से अधिक बैंक खाते फ्रीज किए गए। दरअसल आज रायपुर पुलिस ने कोलकाता और असम में किए छापेमारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

रायपुर ईडी ऑफिस के बाहर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

भूपेश समेत कई दिग्गज नेता मौजूद,

रायपुर,16 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित श्वष्ठ कार्यालय के बाहर कांग्रेसी प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कांग्रेस द्वारा नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर दाखिल ईडी की चार्जशीट के खिलाफ विरोध किया जा रहा है। इस दौरान प्रदर्शन में पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा समेत कई कांग्रेसी मौजूद हैं।

टीएस सिंहदेव ने कहा- कांग्रेस दबने वाली नहीं

प्रदर्शन से पहले छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि राहुल गांधी के देशभर में सक्रिय होने एआईसीसी अधिवेशन के फैसलों और इंडिया अलायंस की एकजुटता के बाद यह साफ था कि कोई ना कोई प्रतिक्रिया जरूर आएगी, लेकिन ईडी जैसी संस्था इस स्तर तक जाएगी, इसकी उम्मीद नहीं थी। टीएस सिंहदेव ने आगे कहा कि ईडी और सीबीआई ने अपनी सीमाएं लांघ दी है। उन्होंने कहा कि चार्जशीट में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नाम डालकर कांग्रेस पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कांग्रेस कभी दबी है, ना दबेगी। पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

चार्जशीट,संपत्तियों की जब्ती और पूछताछ का सिलसिला

ईडी ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ नेशनल हेराल्ड और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहली चार्जशीट दाखिल की। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से केस डायरी भी मांगी है। यह मामला भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की 2012 की शिकायत से जुड़ा है।

छत्तीसगढ़ में 4 नए स्मार्ट औद्योगिक पार्क स्थापित होंगे:मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की घोषणा

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने किया कार्यभार ग्रहण

रायपुर,16 अप्रैल 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलेपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने आज तेलीबांधा स्थित उद्योग भवन में अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उन्हें अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में सीएसआईडीसी प्रदेश में औद्योगिक वातावरण के निर्माण में बेहतर कार्य करेगा। श्री राजीव अग्रवाल अनेक पदों पर किये हैं। उनके अनुभवों से उद्योग जगत को एक नई ऊंचाई मिलेगी। राज्य में नई औद्योगिक नीति से प्रदेश का विकास होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्तमान में 4.50 लाख करोड़ रूपए का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। राज्य में खनिज, बिजली और पानी की पर्याप्त उपलब्धता से उद्योगों को फलने-फूलने का अवसर मिलेगा। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में सेक्टर आधारित उद्योगों को एक ही परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजनांदगांव जिला के ग्राम पटेवा में 322 एकड़ में इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना के लिए 350 करोड़ रूपए, राजनांदगांव जिला के ग्राम बिजेतला में 50 एकड़ में स्पेस मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना के लिए 25 करोड़ रूपए, नवा रायपुर के 20 एकड़ में रेडिमेट गारमेंट पार्क के लिए 30 करोड़ रूपए तथा नवा रायपुर में ही 30 एकड़ में फर्नीचर क्लस्टर की स्थापना के लिए 40 करोड़ रूपए की घोषणा की। इस तरह कुल 445 करोड़ रूपए की लागत से 4 स्मार्ट औद्योगिक पार्क की स्थापना की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य में उद्योगों के विकास के लिए एक अनुकुल एवं सकारात्मक वातावरण बनेगा।

शिक्षा विभाग रोजाना तीसरी आंख से टीचर और स्टूडेंट्स पर रखेगी नजर

रायपुर,16 अप्रैल 2025(ए)। स्कूलों में अब शिक्षक और विद्यार्थियों की हाजिरी ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने एक मोबाइल ऐप तैयार कराया है, जिसे आईआईटी भिलाई की टीम ने डेवलप किया है। . इस ऐप की खास बात यह है कि यह जीपीएस (अक्षांश-देशांतर) आधारित है। यानी शिक्षक जब स्कूल परिसर में मौजूद होंगे, तभी ऐप एक्टिव होगा और वे अपनी तथा अपनी कक्षा के छात्रों की उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। स्कूल के बाहर रहकर हाजिरी लगाने की कोशिश करने पर ऐप काम नहीं करेगा। इस व्यवस्था का ट्रायल बुधवार को राजधानी रायपुर स्थित आर.डी. तिवारी स्कूल से शुरू हुआ। इस मौके पर विद्या समीक्षा केंद्र के प्रदेश नोडल अधिकारी और तकनीकी टीम स्कूल पहुंची। यहां शिक्षकों के मोबाइल में ऐप डाउनलोड कराया गया और उसका लाइव डेमो भी दिखाया गया।

बहू की मौत होने पर फंदे पर झूला ससुर,दो दिन पहले किया था मारपीट

जगदलपुर,16 अप्रैल 2025(ए)। बोधघाट थाना क्षेत्र के मावलीगुड़ा में खाना को लेकर हुए विवाद में ससुर ने अपनी बहू पर पीढ़ा से हमला कर दिया। इस घटना में बहू गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे मेकाज में भर्ती किया गया था, जहाँ उपचार के दौरान बहू की मौत हो गई।

घटना के बाद ससुर ने डर के चलते फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के शव का पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मावलीगुड़ा निवासी गोदावरी नाग ने अपनी बहू प्रफुल्ल देवी से खाना की बात को लेकर पीढ़ा से चोट पहुँचाया था, जिसके बाद बहू को बेहतर उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बहू की मौत की खबर का पता चलते ही ससुर ने डर के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, वहीं बहू की मौत के साथ ही 2 मासूम बच्चों के सिर से माँ का साया उठ गया। पुलिस ने दोनों के शव का पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

33 करोड़ के गबन में 4 कोल माफिया गिरफ्तार

कोयला व्यापारी नरेंद्र कौशिक आत्महत्या मामला:

बिलासपुर/मुंगेली,16 अप्रैल 2025(ए)। मुंगेली के कोयला व्यापारी नरेंद्र कौशिक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों पर मृतक कौशिक को कोयला व्यापार के हिसाब-किताब की जानकारी न देकर लगभग 33 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है, जिससे परेशान होकर कौशिक ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा और पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा।

3 लाख के इनामी दो खूंखार नक्सली ढेर

कोण्डागांव,16 अप्रैल 2025(ए)। कोंडागांव जिले के मरकाम पाल क्षेत्र में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 15 अप्रैल की रात हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो खूंखार नक्सलियों को मार गिराया। यह मुठभेड़ कोंडागांव-नारायणपुर सीमा से सटे किलम-बरगुम जंगल इलाके में हुई, जहाँ माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की टीम माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी।पुलिस अधीक्षक अक्षय कुमार ने पुष्टि की कि मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान पूर्वी बस्तर डिवीजन के कुख्यात माओवादी कमांडर डीवीसीएम हलदर और एसीएम रामे के रूप में हुई है। इन पर क्रमशः 8 लाख और 5 लाख का इनाम घोषित था। इस प्रकार सुरक्षा बलों ने कुल 13 लाख के इनामी नक्सलियों को मार गिराया है।

मुठभेड़ स्थल से एक एके-47 राइफल, अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री और माओवादी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

शमशान घाट पर पंडितों के साथ महिलाएं कर रही थी तंत्र-क्रिया

नरबलि के शक में ग्रामीणों ने घेरा, फिर जो हुआ,मच गया हल्ला

बिलासपुर,16 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से श्मशान घाट में तांत्रिक क्रिया करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत में लिया है। इस दौरान बलि का आरोप लगाकर लोगों ने जमकर हंगामा मचाया। जिसके बाद पुलिस को बुला लिया। यह पूरा मामला कोनी थाना क्षेत्र के निरतु गांव का है।

जानकारी के अनुसार, युवती के स्वास्थ्य सुधार के लिए रात 11:00 बजे श्मशान घाट के बाहर पीपल पेड़ में तकरीबन एक दर्जन लोग धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र कर रहे थे। इसकी भनक जैसे ही स्थानीय लोगों को लगी वो वहां पहुंच गए और महिलाओं की नरबलि देने की आशंका में इन लोगों को घेर लिया। इसके बाद बिलासपुर के कोनी पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा कि ये सभी लोग छत्तीसगढ़ के बाहर के रहने वाले है। हालांकि पुलिस ने इस पूरे मामले में प्रारंभिक जांच कर नरबलि जैसे मामले से साफ इनकार किया है। फिलहाल पुलिस पांच पंडित, चार महिलाएं और एक अन्य पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

तांत्रिक क्रिया की सामग्री बरामद

बताया जा रहा है कि संदिग्धों के पास से नींबू, मिर्च, सिंदूर और तांत्रिक सामग्री बरामद की गई है। यहां नरबलि की आशंका के चलते ग्रामीण विरोध में उतर आए। ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया और चार महिलाओं समेत सभी को पुलिस के हवाले कर दिया। गिरफ्तार आरोपी में चार महिलाएं और आठ पुरुष शामिल है।

पीपल पेड़ के नीचे एक लड़की के साथ महिलाएं थीं

कोनी टीआई किशोर केंवट ने बताया कि ग्राम निरतू के लोगों ने गांव के बाहर पीपल पेड़ के नीचे तंत्र-मंत्र और बलि का आरोप लगाकर थाने में सूचना दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तब पीपल पेड़ के नीचे एक लड़की के साथ महिलाएं थीं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि चकरभाठा क्षेत्र के ग्राम छतौना निवासी राकेश कौरव (50) की बेटी बीमार रहती है, जिसका वो इलाज करा रहा है। लेकिन, उसकी तबीयत में कोई सुधार नहीं हो रहा है। इस पर उसे किसी ने पूजा-पाठ कराने की सलाह दी थी।इसके बाद राकेश ने घर में उत्तरप्रदेश और बिहार से पुजारी आएं हैं, जो पिछले तीन दिन से पूजा-पाठ कर रहे हैं। उन्हें गांव के बाहर पीपल पेड़ की पूजा करनी थी। इसके चलते वो पीपल पेड़ देखकर पूजा कराने आए थे। इसकी जानकारी होने पर गांव वालों ने बवाल मचाना शुरू कर दिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)